प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सत्य एक डेबिट कार्ड है- पहले कीमत चुकाएं और बाद में आनंद लें। झूठ एक क्रेडिट कार्ड है- पहले आनंद लें और बाद में कीमत चुकाएं।

बीके शिवानी

वर्ष-03, अंक - 14 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 07 जनवरी 2021 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

कोवैक्सीन ट्रायल विवादों में घिरा, आरोप है कि, भोपाल गैस पीड़ितों को धोखे से लगाई वैक्सीन

भोपाल ऐजेन्सी। कोरोना वैक्सीन को लेकर भारत बायोटेक फिर विवादों में घिर गई है,. कंपनी पर आरोप लग रहा है कि, उन्होंने बिना कोई जानकारी दिए ही भोपाल पीड़ितों पर कोरोना वैक्सीन का ट्रायल किया है। सोशल मीडिया पर भारत बायोटेक का लोग विरोध करते हुए कई सवाल उठा रहे हैं। इन सभी आरोप पर कंपनी के फाउंडर और चेयरमैन कृष्णा एला ने सफाई भी पेश की थी। बता दें कि, बायोटेक की कोवैक्सीन को भारत सरकार ने इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए मंजुरी दे दि है, इसके बाद पीपुल्स यूनिवर्सिटी स्वदेशी वैक्सीन भारत बायोटेक की कोवैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रायल कर रही है।.

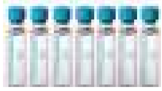

दरअसल, भोपाल गैस पीड़ितों के लिए काम कर रही एक्टिविस्ट रचना धींगरा ने ट्विट करते हुए आरोप लगाया है कि, पीड़ितों को 750 रुपए का लुभावना ऑफर देकर उन्हें वैक्सीन ट्रायल के लिए ले जाया जा रहा है, इसके साथ ही ट्रायल में शामिल लोगों को सहमति-पत्र की कॉपी नहीं दी गई थी।

रचना ने एक वीडियो भी शेयर किया है, इसमें युवक अपने साथ हुई आपबीती के बारे में बता रहा है। युवक ने कहा, 'हमें 3 दिसंबर को टीका लगाया गया, उन लोगों ने कहा था कि, आपको कुछ भी होगा तो उसका इलाज़ हम करेंगे। उन्होंने पर्ची पर दवाई लिख के दी और ये दवाई हमने बाहर की दुकान से अपने पैसे से ली। 3 जनवरी को दूसरी बार बुलाया गया था. लेकिन उन्होंने कोई इंजेक्शन नहीं दिया, टीका लगाने के बाद मोहल्ले में कई लोगों को उल्टी, रीढ़ की हड्डियों में दर्द आदि जैसी दिक्कतें आ रही हैं।

पीपल्स यूनिवर्सिटी ने इस पर सफाई देते हुए कहा, महामारी काल में रचना बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं, ट्रायल वैक्सीन के लिए लोगों की सहमति ली गई थी और इसमें समाज के सभी वर्ग के लोग शामिल थे, किसी भी गैस पीड़ित पर ट्रायल वैक्सीन नहीं किया गया है, सिर्फकोविड नेगेटिव वालंटियर्स को ही ट्रायल वैक्सीन दी गई है। 750 रुपए दैनिक भत्ता के रूप में इन लोगों को दिया गया था, उन्होंने इसके साथ ही एक वीडियो भी शेयर किया है।

जॉनसन का दौरा नहीं होने पर थरूर बोले, क्यों ना इस बार गणतंत्र दिवस समारोह रद्द कर दिया जाए?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का भारत दौरा रद्द होने का हवाला देते हुए कहा है कि, मुख्य अतिथि नहीं होने की स्थिति में इस बार गणतंत्र दिवस समारोह को क्यों न रद्द कर दिया जाए? उन्होंने ट्वीट किया कि, अब जब इस महीने बोरिस जॉनसन की भारत यात्रा कोविड की दूसरी लहर के कारण रद्द कर दी गई है और हमारे पास गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि नहीं है, तो ऐसे में एक कदम आगे क्यों न जाएं और जश्न को पूरी तरह से रद्द कर दें।

एमपीआरडीसी ने किया बामनिया में बनी अवैध दुकान मामले में जवाब पेश

केविट लगाने वाली पंचायत अब तक नही रख सकी अपना पक्ष, तत्कालीन एसडीएम मालवीय की भूमिका संदिग्ध

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

ग्राम पंचायत बामनिया के मुख्य चौराहे पर बनी दुकानों पर जल्द ही कोर्ट का निर्णय आ सकता है। अब तक कोर्ट में जो भी कार्रवाई ओर पक्षो ने अपने जवाब पेश किए उससे कही न कही फैसला पंचायत के विरोध में जाने की संभावना दिख रही है।

मामले में मध्यप्रदेश रोड प्राधिकरण लिमिटेड (एमपीआरडीसी) स्टेट हाईवे क्रमांक 39 सर्वे नंबर 144 रतलाम-फुलमाल मार्ग की जमीन पर बामनिया ग्राम पंचायत द्वारा बनाई गई अवैध दुकान निर्माण को लेकर लगातार पत्र व्यवहार किया जा रहा था एवं पूर्व में चल रहे निर्माण कार्य को रोकने के लिए भी कलेक्टर झाबुआ, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद, ग्राम पंचायत बामनिया को 5 बार कहां गया था, किंतु माननीय हाई कोर्ट खंडपीठ मध्यप्रदेश इंदौर में लगाई गई केविएट और सत्ता के नशे में चूर ग्राम पंचायत बामनिया के जनप्रतिनिधि द्वारा मध्यप्रदेश रोड प्राधिकरण लिमिटेड (एमपीआरडीसी) इंदौर-धार का पालन नहीं करते हुए अधिकारियों की सेटिंग के चलते लगातार अवैध दुकानों के निर्माण का कार्य किया गया, तत्पश्चात हाई कोर्ट खंडपीठ इंदौर में आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा लगाई गई जनहित याचिका में अवैध दुकान निर्माण मामले में पांच पार्टी बनाई गई थी, जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्रालय मध्यप्रदेश भोपाल, कलेक्टर झाबुआ, अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद, ग्राम पंचायत बामनिया एवं रोड विभाग के मालिक मध्यप्रदेश रोड प्राधिकरण लिमिटेड इंदौर-धार को पार्टी बनाया गया था। जिसमें रोड प्राधिकरण लिमिटेड ने हाईकोर्ट इंदौर को अपना जवाब पेश किया कि, याचिकाकर्ता की याचिका स्वतः स्वीकार की जावे। 25 जून 2020 के आधार पर दुकान निर्माण पर तत्काल न्याय हित में दुकान निर्माण को रोके जाने का आदेश लोकहित में योग्य के माध्यम से आदेशित किया जावे, साथ ही एमपीआरडीसी द्वारा अपने जवाब में लोकहित में उक्त सदर स्टेट हाईवे क्रमांक 39 रतलाम-फुलमाल मार्ग बामनिया मुख्य चौराहे खतरनाक अंधे मोड़ पर सर्वे नंबर 144 पर सतत् अवैध निर्माण को तत्काल रोककर दुकान तोड़ने के आदेश न्याय हित में अभ्यर्थी क्रमांक 2 ग्राम पंचायत बामनिया 3 झाबुआ कलेक्टर 5 अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद के विरुद्ध जारी किए जाने की मांग की है।

केविट लगाने वाली पंचायत नही रख पाई अपना पक्ष

ग्राम पंचायत को पहले से आभास था कि, अधिकारियों को राजनीतिक दबाव से रोकने पर आपत्तिकर्ता न्यायालय की शरण मे जा सकता है, जिसके चलते ग्राम पंचायत ने किसी तरह से आपत्तिकर्ता को स्टे नही मिले, इसके लिए हाईकोर्ट में कैविट लगा दी थी। जिसके अनुसार ग्राम पंचायत को आपत्तिकर्ता द्वारा लगाई जाने वाली रीड में बिना पंचायत का पक्ष जाने कोर्ट निर्णय या स्टे नही दे पाए, लेकिन पंचायत ने कैविट की आड़ में दुकान निर्माण का कार्य पूर्ण कर दिया। आपत्तिकर्ता के अनुसार मामला कोर्ट में जाने के बाद अब तक ग्राम पंचायत अपनी ओर से कोई जवाब प्रस्तुत नही कर पाई है और दुकानदारो को अप्रत्यक्ष रूप से दुकान बेच दी गई।

पूर्व एसडीएम मालवीय की भूमिका संदिग्ध, आपत्ति के बाद भी नियम विरुद्ध ले-आउट स्वीकृत कर दिया

पूरे मामले में ग्राम पंचायत बामनिया ने राजनितीक व मुद्रीत प्रभाव के साथ सरकारी मशीनरी का जमकर दुरपयोग किया और सारे नियम कायदे ताक में रखकर ग्राम पंचायत को दुकान निर्माण के लिए ले-आउट जारी कर दिया, जबकि ग्राम पंचायत द्वारा नियम संवत कोई भी कार्य नही किया था।

पूर्व एसडीएम एमएल मालवीय की भूमिका संदेहास्पद लग रही है, जिन्होंने ले-आउट स्वीकृत करने के लिए एमपीआरडीसी की आपत्ति को ताक में रख स्वयं के कार्यालय से एमपीआरडीसी को जारी पत्र को आधार बनाकर जिसमे बताया कि, एमपीआरडीसी द्वारा आपत्ति होने का कोई जवाब नही दिया गया, जिसे विभाग की स्वीकृति मानकर ले-आउट स्वीकृत किया गया।

शिकायतकर्ता दिलीप मालवीय ने बताया कि, पूर्व एसडीएम एमएल मालवीय द्वारा की गई कारस्तानी का कच्चा चिट्ठा और दस्तावेज आ चुके है, जिनको लेकर पूर्व एसडीएम के विरुद्ध लोकायुक्त में शिकायत दर्ज करवाई जाएगी। गूंज द्वारा ले-आउट स्वीकृत के नाम पर हुई लीपा-पोती का खुलासा मय दस्तावेजो के किया जाएगा।

कोल्ड्रींक पिलाकर बाबा ने महिला का किया रेप, फिर बाबा ने दी धमकी, पति को कर देगा बीमार और बच्चों की चढ़ा देगा बलि

इंदौर। इंदौर शहर के प्रजापति नगर में रहने वाली एक महिला ने बाबा कपाली उर्फनिर्मल के खिलाफदुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। महिला ने आरोप लगाते हुए कहा कि, बाबा ने कोल्डड्रिंक मे कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही उसे धमकी देते हुए कहा कि, उसने यदि यह बात किसी को बताई तो वह उसके पति को और ज्यादा बीमार कर देगा और उसके बच्चों की बलि चढ़ा देगा।

पुलिस के अनुसार, यह मामला द्वारकापुरी थाना क्षेत्र का है। जहां प्रजापत नगर में रहने वाली एक महिला (32) ने पुलिस में शिकायत कर बाबा कपाली उर्फ निर्मल निवासी पालदा के खिलाफदुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि, कुछ दिन पहले उनके पति को लकवा हो गया था, जिसका वह इलाज करा रही थी। इलाज के दौरान ही उन्हें किसी से बाबा कपाली के बारे में पता चला।

जानकारी मिलने पर वह बाबा कपाली के पास गई, तो आरोपी ने उसके पति का इलाज किया, जिससे कुछ फायदा हुआ। इसके बाद महिला, बाबा पर विश्वास करने लगी। महिला ने बताया कि, इसी दौरान बाबा एक दिन उसे एक कमरे में ले गया और कोल्डड्रिंक मे कुछ नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया, जिसके कारण वह बेहोशी की हालत में पड़ी रही। होश आने के बाद उसे समझ आया कि, उसके साथ दुष्कर्म किया गया है।

इस बारे में जब उसने बाबा से बात की तो, आरोपी ने धमकाया कि, यदि यह बात महिला ने किसी को बताई तो वह उसके पति को और ज्यादा बीमार कर देगा और उसके बच्चों की बलि चढ़ा देगा। कुछ दिनों तक बाबा की धमकियों से पीड़िता ने यह बात किसी को नहीं बताई। लेकिन इसका फायदा उठाकर बाबा आए दिन अब उसके घर जाकर शारीरिक शोषण करने लगा।

आरोपी की धमकियों और शारीरिक शोषण से पीड़िता ने यह बात अपने परिजनों को बताई और थाने पहुंचकर प्रकरण दर्ज कराया। वहीं, इस प्रकरण पर पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

अमेरिका से खरीदी जाएगी कैलिबर बंदूकें, चीन के खिलाफ बढ़ जाएगी नौसेना की ताकत

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन से सीमा पर तनाव के बीच भारतीय नौसेना को मजबूत करने की कवायद शुरू हो गई है। भारतीय और अमेरिकी रक्षा बलों के बीच सैन्य संबंध स?थापित करते हुए सौदा किया गया है। 3 हजार 8 सौ करोड़ रुपए के इस समझौते के तहत कैलिबर बंदूकों से भारतीय नौसेना युद्धपोतों को लैस करेगी, जिससे नौसेना की ताकत पहले की तुलना में और अधिक बढ़ जाएगी। भारत ने 127 एमएम की 11 मीडियम कैलिबर बंदूकों को खरीदने के लिए अमेरिकी सरकार को लेटर ऑफरिक्वेस्ट इश्यू किया है।

इसमें भारतीय नौसेना को विशाखापत्तनम श्रेणी के विध्वंसक युद्धपोतों से सुसज्जित किया जाना है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि, नई योजना के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन को एलओआर जारी किया गया है। भारतीय नौसेना को प्रदान की जाने वाली पहली तीन बंदूकें अमेरिकी नौसेना वस?तुसूची से होंगी, ताकि भारतीय युद्धपोत पूरी तरह से जल्द से जल्द सुसज्जित हों।

किसानों की हालत पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, कृषि कानून पर 11 जनवरी को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि कानूनों के विरोध में करीब डेढ माह से धरना दे रहे किसानों और सरकार के बीच 7 दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक इसका कोई अंतिम नतीजा नहीं निकला, इस बीच सुर्कीम कोर्ट ने किसानों की हालत पर चिंता जताई है।

कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग और किसानों के प्रदर्शन को लेकर दायर याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने 11 जनवरी तक स्थगित कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि, किसानों के विरोध के संबंध में जमीन पर कोई सुधार नहीं हुआ है, केंद्र द्वारा कहा गया था कि, इन मुद्दों को लेकर सरकार और किसानों के बीच स्वस्थ चर्चा चल रही है।

किसान नेता ने दी मोहन भागवत और संघ मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

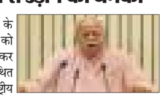

नई दिल्ली एजेंसी। मध्यप्रदेश के बैतूल जिले में पुलिस ने मंगलवार को महाराष्ट्र के किसान नेता अरुण बानकर के खिलाफएफआईआर दर्ज की। कथित तौर पर बानकर ने एक भाषण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

बैतूल के कोतवाली पुलिस स्टेशन में भाजपा बैतूल जिलाध्यक्ष आदित्य बाबला शुक्ला की शिकायत पर धारा 505 (2) व 506 के तहत बानकर के खिलाफमामला दर्ज किया गया। हालांकि मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कोतवाली थाना प्रभारी संतोष पंद्रे ने कहा, नागपुर से दिल्ली के रास्ते में बैतूल में किसानों की एक रैली के दौरान, किसान नेता अरुण बानकर ने सोमवार को जिले के मुलताई में शहीद किसान स्तम्भ पर श्रद्धांजलि अर्पित की और किसानों को भी संबोधित किया। अपने भाषण में, बानकर ने कहा कि, अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों पर गोलियां चलाएंगे, तो हम नागपुर में आरएसएस के प्रमुख के साथ आरएसएस मुख्यालय को उड़ा देंगे। शिकायतकर्ता आदित्य बाबला शुक्ला ने कहा, अरुण बानकर जनता को भड़काकर समाज में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

रतलाम जिले में फिर हुआ सांसद गुमान का विरोध, गाड़ी पर मटर फली फेंक व काला झंडा दिखाकर किया विरोध

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

जिले में एक बार फिर रतलाम-झाबुआ संसदीय क्षेत्र के सांसद गुमान सिंह डामोर विरोध किया गया, सांसद गुमान सिंह डामोर को कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने काले झंडे दिखाए व क्षेत्र में मटर के दाम पर्याप्त नहीं मिलने पर सांसद की कार पर मटर फ्ली भी फेंकी गई। पूरा घटनाक्रम रतलाम जिले में सातरुण्डा चौराहे पर हुआ। सांसद गुमान सिंह डामोर रतलाम जिले में विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण करने आए हुए थे, रत्तागढ़ खेड़ा में नल-जल योजना के लोकार्पण के बाद सांसद अपने काफ्लि के साथ निकले थे तभी कुछ लोगो ने सांसद के वाहन को रोक लिया। मिली जानकारी के अनुसार ये युवा कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओ थे जिन्होंने किसानो की समस्याओ को लेकर सांसद को काले झंडे दिखाए ओर वाहन पर मटर फली फेंक कर विरोध जताया।

पहले भी हो चुका है विरोध

रतलाम क्षेत्र से दूरी सांसद को भारी पड़ती जा रही है सांसद गुमान सिंह डामोर का इससे पहले भी रतलाम जिले में पुलिया निर्माण को लेकर कड़ा विरोध किया जा चुका है। समस्याओं पर धयान नही देने ओर क्षेत्र की लगातार उपेक्षा के चलते ग्रामीण के साथ जोरदार बहस का वीडियो वायरल हुआ था जिसमे लोग सांसद को वोट नही देने की बात कहते नजर आए थे।

वाहन रोक लेकिन बात नही की

कहते है दुध का जला छाछ भी फूक-फूक कर पिता है। सातरुण्डा चौराहे पर किसानों के हित में नारेबाजी कर रहे लोगो ने सांसद से बात करने की कोशिश की, लेकिन लोगो आक्रोश ओर विरोध को देखते हुए सांसद ने रुकना मुनासिब नही समझा और आगे बढ़ गए। विरोध करने वालो में स युवक सांसद के वाहन के पीछे काला झंडा लहराता हुआ दौड़े व किसान एकता की नारेबाजी की।

गृहमंत्री नरोत्तम मिश्र की पत्थरबाजों को चेतावनी, रोकने पर नहीं माने तो ठोंक देंगे

एजेंसी भोपाल। मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सूबे में पिछले दिनों में हुई पत्थरबाजी की घटनाओं को लेकर बड़ा बयान दिया है, उन्होंने कहा है कि, हम समाज को तोड़ने वाली ताकत को कतई पनपने नहीं देंगे।

बतादे कि, प्रदेश में पिछले दिनों में नीमच, उज्जैन और मंदसौर में पत्थरबाजी की घटनाएं हुई थी, उसी को लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने चेतावनी देते हुए कहा है कि, अगर गलत करोगे तो रोकेंगे, नहीं मानोगे तो ठोकेंगे। गृहमंत्री ने कहा कि, यह ध्यान रखिए कि, राज्य में क़ानून का राज है।

उन्होंने कहा कि मैं फिर से दोहरा रहा हूँ कि, जिस भी घर से पत्थर आएंगे, उसी घर से पत्थर निकाले जाएंगे। समाज को तोड़ने वाली किसी भी ताकत को पनपने नहीं देंगे। पत्थरबाज समाज के दुश्मन हैं, यह अक्षम्य अपराध है।

वहीं प्रदेश सरकार ने तय किया है कि, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ न केवल कार्रवाई की जाएगी, बल्कि अगर सार्वजनिक संपत्ति को क्षति पहुंचाता है, तो सजा के साथ-साथ नुकसान की राशि वसूली जाएगी।

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की पूछताछ में बोले रॉबर्ट वाड्रा - हर काम ऑन रिकॉर्ड, नहीं की टैक्स चोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी और आयकर विभाग की पूछताछ पर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने कहा है कि, उन्होंने कोई टैक्स चोरी नहीं की है, उन्होंने यह भी कहा है कि, उनके कार्यालय से हजारों दस्तावेज ले जाए गए हैं, उन्होंने दावा किया कि, उन्होंने जो भी काम किया है वह ऑन रिकॉर्ड है।

वाड्रा ने कहा, मेरे कार्यालय से 23 हजार दस्तावेज ले जाए गए है, शुरूआत से अब तक जो भी काम हमने किया है ऑन रिकार्ड है और उसका टैक्स दिया गया है, उसमें कोई कर चोरी नहीं की गई है।

भाजपा और कांग्रेस में श्रेय लेने की होड़

नगरीय निकाय चुनाव से पहले फिर निकला मेट्रो का जिन्न

भोपाल

कमल नाथ के फॉर्मूले से नेताओं के अरमानों पर फिरेगा पानी

अरुण यादव को मिला दिग्विजय सिंह का साथ

भोपाल

29 जनवरी से शुरू हो सकता है बजट सत्र

नई दिल्ली

अमेज़न ने राज ठाकरे और एमएनएस नेताओं के खिलाफ केस वापस लेने लगाई अर्जी

मुंबई

सैन समाज का प्रतिनिधि मंडल मिला कमल नाथ से

गुजरात में संघ की पाठशाला, देखा जाएगा मोदी सरकार का रिपोर्ट कार्ड, मंत्रिमंडल में फेरबदल पर भी होगी चर्चा

नई दिल्ली

किसान आंदोलन और बंगाल

अर्थव्यवस्था और मजदूरों पर फोकस

दिव्यांगों के स्वास्थ्य परिक्षण और कृत्रिम अंगो के लिए आज होगा शिविर का आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

दिव्यांगों को एडिप योजना के तहत परीक्षण और कृत्रिम अंग देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा ब्लॉक स्तर पर दिव्यांगों के शिविर आयोजित किया जाना है। इसे लेकर एसडीएम शिशिर गेमावत ने विकासखण्ड के सभी सरपंच-सचिव व रोजगार सहायको को निर्देश जारी किए है।

गौरतलब है कि, जिला प्रशासन एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के संयुक्त तत्वाधा में भारत सरकार की एडीप योजना के तहत लगने वाले विकासखण्ड स्तरीय इस शिविर में दिव्यांगों की जांच की जाएगी तथा उनको कृत्रिम अंग देने के लिए पंजीकरण किया जाएगा। यह शिविर पेटलावद में आज सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित होगा। एसडीएम ने पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए कि, वे अपने-अपने संबंधित गांवों में पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से इन शिविरों के आयोजन के बारे में जागरूकता लाएं, ताकि गांवों से कोई भी दिव्यांग कृत्रिम अंगों से महरूम रहे। इस शिविर में दिव्यांगों की मेडिकल जांच के प्रबंध कराए जाएंगे ताकि उनके मेडिकल प्रमाण पत्र बन सकें।

साथ लाने होंगे प्रमाण पत्र

जांच शिविर में दिव्यांग अपने साथ दिव्यांगता को दर्शाने वाले पासपोर्ट साइज दो फोटो, पहले से प्राप्त दिव्यांग प्रमाण-पत्र, समग्र आईडी, आधार कार्ड, राशन कार्ड, पंचायत द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र साथ लाना होगा, इसके बाद उनका स्वास्थ्य परिक्षण किया जाएगा।

प्रवर्तक देव का हुआ मंगल प्रवेश

माही की गूंज, मेघनगर। श्री आचार्य भगवंत पूज्य गुरुदेव श्री उमेश मुनि जी महाराज साहब अणु के सुशिष्य आगम विशारद बुद्ध पुत्रप्रवर्तक श्री जिनेंद्र मुनि जी महाराज साहब आदि ठाणा 3 आगराल से मेघनगर की ओर विहार किया। मंगल प्रवेश पर श्रावक एवं श्राविका ने गुरुदेव की अगवानी और गगनभेदी नारों से मंगल प्रवेश कराया।

युवक ने रात में लड़की को अकेली देख किया विवाद, पिता और बेटी से की मारपीट

प्रताड़ित लड़की ने फिर लगाई कलेक्टर से गुहार

माही की गूंज, पेटलावद।

अतिक्रमण मुहिम की भेंट चढ़ा गरीब पूनम गुजर का परिवार दर-दर की ठोकरे खाने पर मजबूर है, लगातार सुरक्षित स्थान पर पट्टा और आवास की मांग करने के बाद भी अब तक कोई सुनवाई नही हुई है, जिससे अब भी पूनम और उसका परिवार बिना सुविधा वाले चद्दर पोश मकान में रहने पर मजबूर है, जहाँ लगातार पूनम ओर उसके परिवार के साथ में विवाद ओर छेड़खानी की घटना हो रही है। वही पट्टे की लगातार मांग के बाद भी कही से भी न्याय मिलता नही दिख रहा है।

युवक ने की छेड़खानी ओर पिता-पुत्री के साथ कि मारपीट

मलिन बस्ती में रह रही पूनम के साथ एक बार पहले भी छेड़छाड़ का मामला सामने आ चुका है, मंगलवार रात में एक बार फिर पूनम ओर उसके परिवार के साथ मलिन बस्ती में रह रहे युवक ने मारपीट की। पूनम ने मामले की शिकायत पेटलावद थाने पर देते हुए बताया कि, रात 8 बजे के लगभग बस्ती का एक युवक घर के बहार आकर गाली गलौच कर घर से बहार निकलने की धमकी दे रहा था और जैसे ही 9

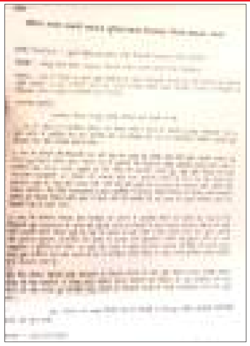

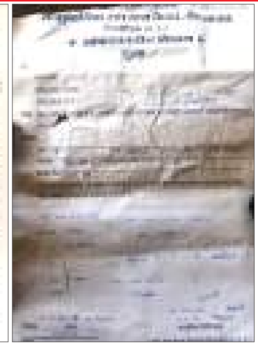

बजे पिता मदनलाल घर आए, युवक ने उनके पीछे-पीछे घर मे घुस कर मारपीट और गाली गलौच शुरू कर दी, जिसका विरोधं पूनम द्वारा किया गया तो उसके साथ मे गलत नियत से छेड़छाड़ कर मारपीट की गई, जिससे पूनम बेहोश हो गई। आस-पास के लोगो ने बीच बचाव कर बचाया, मौके पर पहुँची 108 ने पूनम को हॉस्पिटल पहुंचाया जहा से होश आने के बाद बुधवार को युवक के विरुद्ध थाने में आवेंदन देकर कार्रवाई की मांग की।

कलेक्टर से जनसुनवाई में फिर की पट्टे की मांग , एसडीएम और नगर परिषद ने नही सुनवाई

मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय में एक बार फिर पूनम ने आवेंदन देकर सुरक्षित स्थान पर पट्टे की मांग की, इससे पहले अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद ओर नगर परिषद में भी पट्टे की मांग पूनम ओर उसका परिवार कर चुका है। लेकिन अब तक जिम्मेदारो ने इसकी सूद नही ली, नगर परिषद क्षेत्र में कई शासकीय भूमि खाली होकर बड़े पूंजीपतियों के अवैध कब्जे है, जिनको हटाकर परिषद जरूरतमंद को पट्टे दे सकती है, लेकिन परिषद का कहना है कि, उन्हें पट्टा देने का अधिकार नही है, वही पटवारी का कहना है कि, आबादी की भूमि पर हमको पट्टा देने का अधिकार नही आता है।

विकास की गंगा बहाने का प्रचार करने वाली ग्राम पंचायत बामनिया के ग्रामीण खाद्यान पर्ची नही मिलने से परेशान

लॉकडाउन में भी नही मिला अनाज, जनसुनवाई में पहुंचे ग्रामीण

माही की गूंज, बामनिया।

विकास खण्ड की बड़ी पंचायतो में से एक ग्राम पंचायत बामनिया बड़े-बड़े इस्तेहार देकर नगर विकास के स्वर्णीम विकास के दावे कर रही है, लेकिन धरातल में ऐसा कुछ नजर आता नही दिख रहा या फिर कहे तो ग्राम पंचायत का विकास केवल नगर के गली-मोहल्लो तक ही सीमित है, जबकि निचली बस्ती ओर ग्रामीण इलाकों में अब लोग आम सुविधा और शासन की योजनाओं के लाभ को लेकर दुविधाओं में पड़े हुए है। शासन द्वारा शुरू की गए जनसुनवाई कार्यक्रम के दूसरे हफ्ते में लगभग दस परिवार जनसुनवाई में आवेदन देकर खाद्यान पर्ची के अभाव में अनाज नही मिलना बताया। ग्रामीनजन कालू गामड़, राहुल डामर, कन्नू भाभर, हिरजी गामड़ आदि का आरोप है कि, कई बार ग्राम पंचायत में पर्ची के लिए गुहार लगा चुके है और पंचायत द्वारा मांगे गए कागज भी उपलब्ध करवा चुके है लेकिन आज तक खाद्यान पर्ची नही मिल पाई है। वार्ड पंच झाली पति पप्पू डामर ने बताया कि, मेरे वार्ड के कई परिवार खाद्यान पर्ची सहित शासन की कई योजनाओं से आज भी वंचित है, ग्राम सभा नही होती है न ही पंचायत में सरपंच-सचिव मिलते है, ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है इसलिए समस्या लेकर जनसुनवाई में पहुंचे है।

लॉकडाउन में भी नही मिला अनाज

कोरोना के कारण लॉकडाउन में सरकार ने गरीबो को अनाज दिया, लेकिन खाद्यान पर्ची के अभाव में काजलिया फलिए के कई परिवारों को अनाज नही मिल सका। ग्रामीणों ने बताया कि, पंचायत द्वारा शासन की वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन का लाभ भी नही दिलवाया जा रहा है।

सुखेड़ा से जावरा निर्माणधीन रोड बन रहा हादसो का रोड़

माही की गूंज, रतलाम। पिपलौदा तहसील क्षेत्र के ग्राम सुखेड़ा से जावरा निर्माणधीन रोड हादसों का रोड बनता जा रहा है। मार्ग पर एक सप्ताह में दो कार खंती में धंस गई है, कुछ दिन पहले भी बाइक सवार को बचाने मे ग्राम पंचायत सुखेड़ा के उपसरपंच मधुबाला चन्द्रावत के पुत्र मनन चन्द्रावत की कार, बाइक सवार को बचाने मे माऊखेड़ी के समीप खंती में धंस गई थी। खंती में बंबूल का छोटा पेड़ होने से कार पल्टी नही खाई और बड़ा हादसा होने से टल गया था। वही एक बार फिर हाल ही मे इसी मार्ग पर काबुलखेड़ी के समीप राजस्थान दलोट के राजकीय हॉस्पिटल में पदस्थ डॉ घनश्याम कुमावत की कार खम्बे से टकराकर खंती में धंस गई। सूचना मिलने पर सुखेड़ा चौकी पुलिस मौके पर पहुची तथा जेसीबी की मदद से कार को बाहर निकाला। कार में सवार डॉ घनश्याम कुमावत ने बताया कि, वे रतलाम से दलोट जा रहे थे और सामने से अचानक आई तेज रफ्तार बाइक सवार को बचाने में कार खम्बे से टकराई और खंती में धस गई। ग्रामीणों से मिली जानकारी अनुसार एक माह में इस मार्ग पर करीब 3 घटनाए हो चुकी है। बढ़ती घटनाओं के बाद काबुलखेड़ी निवासी भोपालसिंह तथा सुखेड़ा निवासी दिनेश कुमार जैन ने बताया कि, 4 किलोमीटर रोड पर डामरीकरण अब तक नही हुआ। जवाबदार अधिकारी सुखेड़ा की जनता के साथ सौतेला व्यवहार कर रहे है।

सुखेड़ा पुलिस ने पकड़े नकली बिड़ी के 215 पूड़े

माही की गूंज, रतलाम/सुखेडा। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं मिलावटखोरों के अभियान के तहत मंगलवार को एसपी गोरव तिवारी व पिपलोदा थाना प्रभारी आइपीएस विनोद कुमार मीणा के मार्ग दर्शन में सुखेडा चोकी प्रभारी रघुवीर जोशी द्वारा सुखेडा से तीन किलोमीटर दूर गाँव खेडा कलालिया की ओर से बिना नम्बर की एक मोटरसाइकिल पर एक व्यक्ति राजस्थान की ओर जातें हुए पाए जाने पर मोटरसाइकल को रोक कर तलाशी ली गई, मोटरसाइकिल के पीछे एक कार्टून से 35 पूडे बिडी के मिलने पर मोटरसाइकिल चालक को सुखेडा पुलिस चौकी पर लाकर शक्ति से पूछताछ़ की गई। मोटरसाइकिल चालक ने आपना नाम दिनेश पिता अमरुलाल (25) निवासी ग्राम दिवेल थाना सैलाना बताया। पुलिस को नकली बिडी होने की संका पर बिडी कम्पनी के चैकिंग अधिकारी हरगोविद राठौड़ को

बुलाया गया, राठोड ने उक्त बिडी के बण्डल को नकली बिडी बताया गया, जिस पर चोकी प्रभारी रघुवीर जोशी द्वारा आरोपी दिनेश से नकली बिडी कहाँ से लाया की जानकारी चाही गई, तो दिनेश ने उक्त तीस नम्बर बिडी के बण्डल रतलाम तेजानगर के रहवासी नरेन्द्र पिता कन्हैयालाल जैन से खरीदना बताया जब सुखेडा पुलिस चौकी प्रभारी दल-बल के साथ रतलाम पहुंच कर नरेन्द्र को गिरफ्तार कर नरेन्द्र के घर से 60 पूडे बिडी के मिले वही दिनेश के घर पर ग्राम दिवेल भी दफ्तीश दी गई तो दिनेश के घर पर भी 120 पूडे नकली बिडी के मिलें कुल 215 पूडे ज़ब्त कर कापीराइट ऐक्ट के धाराओं में प्रकरण पंजीबध कर कार्रवाई की गई, इस अवसर पर सुखेडा पुलिस चौकी प्रभारी रघुवीर जोशी के साथ सुखेडा पुलिस के आरक्षक नागेन्द्र, कमलेश बुनकर के साथ प्रधान आरक्षक मनीष शर्मा की अहम भूमिका रही।

सहकार भारती की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

माही की गूंज, मेघनगर। ग्राम पंचायत फुटतलाव पर सहकार भारती के जिला झाबुआ की बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजय श्रीवास और जिलाध्यक्ष गणेश प्रजापत के अध्यक्षता में रखी गई। जिसमें सहकार भारती के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजय श्रीवास् ने अपना विचार विमर्श किया और सहकार भारती की तहसील झाबुआ, थांदला, पेटलावद, मेघनगर, राणापुर, पारा, कल्याणपुरा के बनाए गए प्रभारियों को सहकार भारती के बारे में बताया। सहकार भारती के महामंत्री दिलीप डामोर ने कार्यक्रम का संचालन किया, जिले के समस्त पदाधिकारी बैठक में उपस्थित रहे। जिला मंत्री जवसिंह परमार, संतोष खाटूवा, कैलाश गेहलोत ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार माना।

बच्चे को धुम्रपान कराते हुए विडीयो वायरल करने पर हुआ मामला दर्ज

माही की गूंज, रतलाम। पिपलौदा थाना के ग्राम अयाना मे 6 वर्षीय बच्चे को बीड़ी पिलाने का वीडियो वायरल हो जाने के बाद चाइल्ड लाइन के निर्देश पर पुलिस थाना पिपलौदा में किशोर अधिनियम तथा अनुसूचित जाति जनजाति अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में दो आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस विनोद कुमार मीणा ने बताया कि, चाइल्ड लाइन टीम सदस्य पिपलौदा थाने में आए और मामले की जानकारी दी। चाइल्ड लाइन टीम सदस्य अरूण भल्ला, दिव्या उपाध्याय तथा पुलिसकर्मी ग्राम अयाना गए, बालक व उसके परिजनों से मिले। काउन्सलर दिव्या उपाध्याय ने बालक की काउंसलिंग की, कॉउंसलिंग में बालक ने आरोपियो के नाम रतनलाल पिता भेरूलाल तथा राहुल पिता रूपसिंह ग्राम अयाना बताए। इस पर आरोपियो पर किशोर न्याय अधिनियम की धारा 77, 86, व भा.द.स. की धारा 506, 34 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम धारा 3(2)(5।) में एफआईआर दर्ज की गई, मामले में अभी और जांच की जा रही है।

मावता चौकी का हआ भूमि पूजन

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के ग्राम मावता में थाना कालूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले पुलिस चौकी के नए भवन निर्माण के लिए शुभारंभ किया गया, कई वर्षों से ग्राम मावता में पुलिस चौकी संचालित है लेकिन भवन के अभाव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मावता में एनएम के क्वार्टर में पुलिस चौकी संचालित होती आ रही है। इस मौके पर पिपलोदा जनपद के उपाध्यक्ष श्याम सिंह देवड़ा ग्राम पंचायत मावता के सरपंच प्रतिनिधि भगवती लाल कुमावत, कालूखेड़ा थाना प्रभारी श्रीमती मधु राठौर, मावता चौकी प्रभारी के साथ समस्त पुलिस स्टाफ एवं हाउसिंग बोर्ड के सब इंजीनियर, ठेकेदार मिट्ठू सिंह चंद्रावत सहित गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे, नया चौकी भवन बनने से पुलिस स्टाफको एवं जनता को सुविधा होगी।

स्वर्ण जयंती समारोह मनाने के लिए समिति की बैठक आयोजित

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में शासकीय जवाहरलाल नेहरू स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर में जनभागीदारी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शासकीय जवाहरलाल नेहरू स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शुजालपुर की स्वर्ण जयंती समारोह आयोजन पर चर्चा हुई, साथ ही समारोह को उत्साह पूर्वक मानने के बारे में सुझाव भी मांगे गए। इस अवसर पर कलेक्टर दिनेश जैन, अनुविभागीय अधिकारी प्रकाश कस्बे, पूर्व छात्र परिषद एल्यूमिनी यूनियन के अध्यक्ष व प्रो. डॉ. विनोद देशमुख, प्राचार्य डॉ. कुसुम जाजू मौजूद थे।

बैठक में मंत्री श्री परमार ने कहा कि, स्वर्ण जयंती समारोह भव्य रूप में मनाया जाएगा, इसके लिए महाविद्यालय के पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, पूर्व छात्रो के संगठन का सुचारू संचालन कर महाविद्यालय के विकास में उनकी भूमिका तय करें। स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान महाविद्यालय के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण भी किया जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि, इस अवसर पर पूर्व छात्रों की ओर से एक फण्ड स्थापित कर उससे एक स्मारक की स्थापना किया जाए, आयोजन हेतु पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि, पूर्व छात्रों के संगठन के माध्यम से महाविद्यालय के विकास की रूपरेखा बनाए और तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र आदि की स्थापना की प्लानिंग करें। इससे महाविद्यालय का नाम देश भर में प्रसिद्ध होगा। इस हेतु शासन की ओर से जो सहायता हो सकेगी, की जाएगी। इस दौरान पूर्व छात्र संगठन के अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य डॉ. देशमुख ने भी संगठन को मजबूत बनाने और विभिन्न गतिविधियों को आयोजित करने हेतु चर्चा की।

प्राचार्य डॉ. कुसुम जाजू ने कहा कि, स्वर्ण जयंती के अवसर पर महाविद्यालय की स्मारिका प्रकाशित की जाएगी, साथ ही एक डाक्यूमेंट्री भी बनाई जाएगी। महाविद्यालय के 50 वर्षों की यात्रा को चित्रात्मक रूप में प्रकाशित किया जाएगा। इस हेतु पूर्व छात्रों से सम्पर्क कर उनसे जानकारी एकत्रीत की जा रही है। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी प्रकाश कस्बे ने भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। इस मौके पर पूर्व मंडी अध्यक्ष कैलाश सोनी, डॉ काज़ी एस रहमान, अशोक नायक, विजय बैंस, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष गजेंद्र सिंह सिसौदिया, संजय शर्मा, आशीष हरदेनिया, नितिन सनस, संदीप अग्रवाल व महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. बी. के. त्यागी ने किया। नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन एवं पौधारोपण शासकीय महाविद्यालय शुजालपुर में छात्रों को प्रकृति से जोड़ने और भारतीय संस्कृति के अनुरूप नवाचार के अंतर्गत तैयार की गई। नक्षत्र वाटिका का उद्घाटन प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं सामान्य प्रशासन राज्यमंत्री इंदर सिंह परमार ने फीता काटकर किया।

पुत्र ने किया पिता की संपत्ति पर कब्जा, सीएम हेल्पलाईन से हुआ निराकरण

माही की गूंज, शाजापुर।

अपनी भूमि का कब्जा वापस पाने के लिए शंकरलाल पिता भागीरथ पाल निवासी ग्राम धेनका तहसील मो. बड़ोदिया ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में आवेदन किया था। शंकरलाल को उनकी जमीन का कब्जा दिलाने के लिए अपर कलेक्टर न्यायालय द्वारा तहसीलदार मो. बड़ोदिया को पुलिस की मौजूदगी में कब्जा सौंपने की कार्रवाई के आदेश दिए तथा आदेश का पालन करते हुए तहसील कार्यालय मो. बड़ोदिया के राजस्व अमले ने शंकरलाल को मकान एवं भूमि का कब्जा वापस दिलाया।

आवेदक शंकरलाल ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत की थी कि, उसके पुत्र सुंदरलाल ने उसकी लगभग 9 बीघा भूमि एवं दो मकानों पर जबरन कब्जा कर उसे बेदखल कर दिया है, वर्तमान में वह सारंगपुर में मजदुरी कर अपना गुजारा कर रहा है। प्रकरण के निराकरण के लिए अपर कलेक्टर श्रीमती मंजूषा विक्रांत राय ने कार्रवाई करते हुए शंकरलाल एवं उसकी पुत्री तथा पुत्र सुंदरलाल को न्यायालय में बुलवाया तथा सुनवाई करते हुए आदेश दिए कि, शंकरलाल द्वारा चाही गई भूमि का कब्जा वापस प्रदान करें। शंकरलाल ने कुल भूमि जिसका रकबा 1.55 हेक्टेयर है, में से 0.70 हेक्टेयर तथा 2 मकानों का कब्जा वापस मांगा था, जिसे तहसील कार्यालय मो. बड़ोदिया के राजस्व अमले ने वापस दिलवाया।

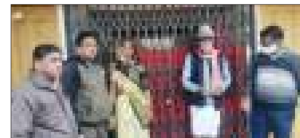

संपादकीय

कोरोना वैक्सीनः नए साल में मिली मानवता को संजीवनी

नए साल, 2021 में इससे सुखद और मानवीय ख़बर और क्या हो सकती है? कोरोना वायरस के एक नहीं, दो टीकों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी दे दी गई है। विशेषज्ञ समिति की अनुशंसा पर भारतीय औषधि महानियंत्रक ने आखिरी मुहर लगाई। अब सीरम इंस्टीट्यूट के 'कोविशील्ड' और भारत बायोटेक-आईसीएमआर के 'कोवैक्सीन' के जरिए उन 'योद्धाओं' में टीकाकरण की शुरुआत की जा सकेगी, जो बीते 10 महीनों से कोरोना संक्रमित मरीजों के लगातार संपर्क में रहे हैं और उनका इलाज करते रहे हैं। ऐसे स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम मोर्चे के योद्धाओं की संख्या 3 करोड़ के करीब है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी आज 'गर्व का दिन' माना है। उन्होंने सभी 'योद्धाओं' और देश को बधाई दी है। बहरहाल ब्रिटेन, जर्मनी, रूस, चीन से लेकर इजरायल, बहरीन, सऊदी अरब सरीखे देशों में टीकाकरण की प्रक्रिया जारी है। इजरायल ने थोड़े से वक्त में ही अपनी 12 फीसदी आबादी को कोरोना टीका लगा दिया है।

ऐसा करने वाला वह दुनिया का सबसे पहला देश बन गया है। बेशक भारत की आबादी और विविधता के मद्देनजर कोरोना का टीकाकरण भी एक गंभीर चुनौती होगा, क्योंकि देश में सवाल उठाने वाले और आशंकाएं जताने वाले मूढ़ लोगों की संख्या भी कम नहीं है। भारत में चेचक, पोलियो, रुबेला, खसरा, काली खांसी, टेटनेस, हेपेटाइटिस-बी आदि 12 बीमारियों के टीकाकरण औसतन हर साल किए जाते हैं। विरोध पोलियो और चेचक सरीखे टीकों का भी किया गया था, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को विकलांग होने और अंततः मौत से बचाया था। कोरोना वायरस महामारी की घातक, जानलेवा मार हम झेल चुके हैं। देश में 1 करोड़ से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं और करीब 1.50 लाख मौतें भी हुई हैं। बेशक अब संक्रमण का आंकड़ा 18,000 तक सिकुड़ चुका है और मौतें भी 200 के करीब आ गई हैं। यह स्थिति छह माह पुरानी-सी है। कोरोना वायरस को मात देकर स्वस्थ होने वालों की संख्या भी 99 लाख को पार कर चुकी है। यह बेहद गौरतलब है, क्योंकि कई देशों की आबादी भी इससे कम होती है। यकीनन ये बेहतर और महत्त्वपूर्ण हालात हैं। बहरहाल आज भारत के माथे पर एक और ताज सजा है, जब पूर्णतः स्वदेशी टीके-कोवैक्सीन-को मंजूरी दी गई है। कोविशील्ड भी बुनियादी तौर पर स्वदेशी टीका ही है, क्योंकि पुणे का सीरम इंस्टीट्यूट इसका उत्पादन कर रहा है। बेशक टीके का अनुसंधान ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और एस्ट्राजेनेका कंपनी ने किया है, लेकिन टीके के इनसानी परीक्षण भारत में भी किए गए हैं। सीरम की ख्याति यह है कि वह दुनिया के करीब 70 फीसदी टीकों का उत्पादन करता है। कमोबेश बच्चों के लिए बनने वाले 60 फीसदी से अधिक टीकों का उत्पादन सीरम में ही किया जाता है। कोरोना वायरस के इस मंजर तक पहुंचने के बावजूद कोई इन टीकों को 'भाजपाई' करार दे अथवा नपुंसक होने तक का दुष्प्रचार करे, तो वह व्यक्ति देश-विरोधी है और वैज्ञानिक, चिकित्सकों के अनथक परिश्रम और मेधा का घोर अपमान कर रहा है। सोशल मीडिया की बकवास पर तो ध्यान ही नहीं देना चाहिए। यह देश लोकतांत्रिक है, लिहाजा जनता अपने आप ऐसे चेहरों को जवाब दे देगी।

देश-विदेश के प्रख्यात चिकित्सक इन टीकों को पूरी तरह सुरक्षित और असरकारक मान रहे हैं। प्रख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ डा. नरेश त्रेहन का मानना है कि टीके आनन-फानन में नहीं बने हैं। पूरा शोध और प्रयोग किए गए हैं। अब करोड़ों लोगों पर टीकाकरण किया जाएगा, तो टीके के प्रभाव और सुरक्षा के सवाल भी संबोधित हो जाएंगे। किसी दुर्लभ केस में टीके के स्थान पर सूजन आ सकती है, दर्द भी हो सकता है, सिर में चक्कर आ सकते हैं, थोड़ा बुखार भी महसूस हो सकता है। ये प्रभाव हमने और टीकों के भी देखे हैं, लेकिन यह टीका जो कीमती जिंदगी बचाएगा, उसकी तुलना 'संजीवनी' से ही की जा सकती है। एक और विशेषज्ञ चिकित्सक की टिप्पणी थी- 'वैक्सीन लगवाइए, घर को बचाइए और देश की हिफ़ाजत कीजिए।' बहरहाल यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि संकट अब भी मौजूद है। टीके की एक खुराक कोरोना-मुक्त नहीं कर सकती। जब तक देश की 80-90 करोड़ आबादी को टीके की दोनों खुराकें नहीं दी जातीं, तब तक 'हर्ड इम्युनिटी' का दावा फ़िज़ूल है। यदि इम्युनिटी नहीं होगी, तो वायरस से पूरी तरह सुरक्षित नहीं हुआ जा सकता। हालांकि आईसीएमआर ने ब्रिटेन से आ रही कोरोना की नई नस्ल को 'कल्चर' कर दिया है। यानी उसे बेअसर कर दिया गया है, लिहाजा उसका संकट भारत को परेशान नहीं कर सकता। बहरहाल अभी तो नए साल का बेशकीमती तोहफ़ा कबूल किया जाए।

चाणक्य नीति

जब प्रलय का समय आता है तो समुद्र भी अपनी मयारदा छोड़कर किनारों को छोड़ अथवा तोड़ जाते है, लेकिन सज्जन पुरुष प्रलय के सामान भयंकर आपत्ति अवं विपत्ति में भी आपनी मर्यादा नहीं बदलते।

एक सलाह

खुश रहा करो, क्योंकि दुखी रहने से कौन सा कोई आकर गले लगा लेगा।

काम की बात

गिरते हुए पत्ते सबसे बड़ा उदाहरण है कि बोझ बन जाओगे तो अपने भी गिरा देंगे।

नया वर्ष और शिव के लिए नई चुनौतियां

निलय श्रीवास्तव

मध्यप्रदेश विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश अब महज सपना नहीं बल्कि हकीकत बनकर हमारी आँखों के सामने आ रहा है। इसका श्रेय जाता है मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को। उन्हें राजनीति का लम्बा अनुभव है। उम्र ज्यादा नहीं लेकिन प्रदेश के बदलते हालातों को नजदीक से परखा है। शिवराज को पता है राज्य को तरक्की के रास्ते पर कैसे आगे ले जाया जा सकता है। विकास की झलक उनकी आंखों में स्पष्ट दिखती है। कोरोना महामारी का प्रकोप अभी थमा नहीं है। लोगों में भय बना हुआ है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था कमजोर हो चली है। ऐसे दौर में सबकी निगाहें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर टिकी हुयी हैं। लोगों को लगता है कि वे उनके दर्द की दवा बनकर एक बार फिर साथ खड़े हो जायेंगे। शिवराज सिंह प्रदेश की कमजोर पड़ी अर्थव्यवस्था को दोबारा गति देना चाहते हैं बल्कि यह उनका मिशन बन चुका है। अब देखना यह है कि यह नया वर्ष मध्यप्रदेश के लिए कितना शुभदायक होगा। चुनौतियाँ कम नहीं हैं। मुख्यमंत्री के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती लोगों को स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षा प्रदान करना है। हालांकि मध्यप्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें जुटाने के लिए बड़े स्तर पर व्यापक प्रबंध हुए हैं। कोरोना से लडने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों, सफाईकर्मियों तथा पुलिस महकमें ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। यह सब मुख्यमंत्री की पहल और उनके मार्गदर्शन में संभव हुआ। शिवराज स्वयं पूरी स्थिति पर निरंतर नजर बनाये रखे। वे रूके नहीं और न ही थके बल्कि स्वयं कोरोना महामारी से ग्रसित होकर भी वे प्रदेश के लिए लड़ते रहे। मुख्यमंत्री सडकों पर उतरे और जायजा लिया कि लोगों तक राशन सही मात्रा में पहुँच रहा है या नहीं। कानून व्यवस्था कैसी है। अस्पतालों की स्थिति कैसी है। इसके अलावा मध्यप्रदेश से बाहर गए लोगों की चिंता उन्हें सबसे अधिक थी। लोकनायक तथा जनसेवक शिवराज सिंह चौहान अक्सर कहतें भी हैं कि श्प्रदेश ही मेरा मंदिर है, यहाँ निवास करने वाली जनता मेरी भगवान है और मैं जनका का पुजारी हूँ। मुख्यमंत्री के यह शब्द स्पष्ट करते हैं कि उनका दिल मध्यप्रदेश के लिए धडकता है। मध्यप्रदेश में ही बसता है।

कहावत प्रचलित है कि यथा नाम तथा गुणे। अर्थात जैसा नाम वैसा गुण। शिव जी ने जनकल्याण के लिए विष का पान किया था जिसके कारण उनका एक नाम नीलकण्ठ भी है। मध्यप्रदेश की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान पर कई गंभीर आरोप लगे जिनका विषपान करके भी वे विकास के पथ से विचलित नहीं हुए। वे लगातार सडक, बिजली,पानी के साथ-साथ शिक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था को सुधारने तथा उन्हें गति देने के लिए प्रयत्नशील रहे। प्रदेश में रोजगार को बढ़ावा देने के लिये निवेशकों को यहाँ आमंत्रित किया। बेटियों के मामा के रूप में उन्होंने आम आदमी के बीच अपनी अद्भुत पहचान बनायी। बेटी बचाओ योजना को देशभर में प्रशंसा मिली और आज भी अनेक बालिकाएं इससे लाभांवित हो रही हैं। किसान पुत्र होने के कारण शिवराज ने किसानों की चिंता की। 100 प्रतिशत लगने वाले ब्याज की दर को घटाकर उसे शून्य प्रतिशत किया। देश के अन्य किसी भी राज्य को यह उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी है। लागत अधिभार को ब्याजमुक्त करके खेती को लाभ का धंधा बनाने पर जोर दिया। यही वजह रही कि मध्यप्रदेश के 25 लाख किसानों का हौंसला बढ़ा और गेहूँ का रिकार्ड उत्पादन हुआ। किसानों के लिए मदद के सारे दरवाजे खोलकर सरकार ने अहसास दिला दिया है कि वह मुश्किल के दौर में भी उनके साथ खड़ी है। मध्यप्रदेश में पथ विक्रेताओं को मदद देकर सरकार ने अपनी सहृदयता का परिचय दिया है। बिना ब्याज के ऋण की व्यवस्था होने से वे बेबस लोग दोबारा अपना रोजगार स्थापित कर रहे हैं जिनका व्यवसाय लॉकडाउन के दौरान अवरूद्ध हो गया था। भूखमरी की कगार पर पहुँचे लाखों परिवारों को ऋण उपलब्ध करवाकर सरकार ने नेक काम किया है। मध्यप्रदेश में जरूरतमंदों के लिए जो विकास संबंधी काम हुए हैं उनकी प्रशंसा स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की है। दूसरे राज्य भी जो कोरोना महामारी के कारण आर्थिक रूप से पिछड़ गए हैं वे मध्यप्रदेश में चल रहे कामों का अनुसरण कर रहे हैं। मध्यप्रदेश को एक आदर्श के रूप में देखा जा रहा है।

वर्ष 2021 मध्यप्रदेश के लिए विकास तथा समृद्धि लेकर आयेगा। चूंकि बीता वर्ष प्रदेश के लिए खराब रहा। आर्थिक रूप से हम पिछड़ गए हैं इसकी भरपायी नये वर्ष में करना संकल्प होना चाहिये। समाज के सभी वर्गों को इस दिशा में जागरूक करना होगा। आने वाले वर्ष में ऐसा विश्वास व्यक्त किया जा रहा है कि प्रदेश का हर वर्ग खुशहाल तथा सम्पन्न होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से प्रदेशवासियों को अनेक आशाएं हैं। युवा वर्ग उनसे रोजगार की आस लगाए हैं। प्रदेश का हर युवा चाहता है कि उसे नौकरी मिलेगी या उसका खुद का धंधा स्थापित होगा इसके लिए वह सरकार से उम्मीद बांधें है। इस नये वर्ष में सबका ध्यान रखकर सरकार को कामकाज में पारदर्शिता लाना होगी। जो काम अधूरे पड़े हैं उनहे पूरी प्राथमिकता के साथ निष्कर्ष तक पहुँचाना होगा। यहाँ यह भी महत्व रखता है कि केवल सरकार के प्रयासों अथवा सरकारी योजनाओं से तरक्की नहीं मिलेगी बल्कि सबके सहयोग,श्रम तथा अनावश्यक खर्चो से बचकर प्रदेश को वापस प्रगति के रास्ते पर लाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री स्वयं प्रदेश में घूमकर हर स्थिति पर अपनी पैनी नजर रख रहें हैं। प्रदेश भर में उनकी सक्रियता दिनोदिन बढ़ रही है। इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि आने वाला समय मध्यप्रदेश का है। हम फिर खुशहाल होकर प्रदेश को तरक्की के रास्ते पर ले जायेंगे। मध्यप्रदेश में फिर से विकास रफ्तार पकड़ेगा तथा प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में देखने का जो सपना अधूरा रह गया था उसे पूरा होते देख सकेंगे। एक बार फिर हमारा प्रदेश मुस्कुरायेंगा और प्रदेशवासियों को गर्व महसूस होगा।

कृषि कानूनः असली मुद्दा

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

आशा के विपरीत सरकार और किसानों का 7 वां संवाद बेनतीजा रहा। छठे संवाद में जो परस्पर सौहार्द दिखाई पड़ा था, वह इस बार नदारद था। किसानों और मंत्रियों ने इस बार साथ-साथ भोजन भी नहीं किया। अब 8 जनवरी को फिर दोनों पक्षों की बैठक होगी लेकिन उसमें से भी कुछ ठोस समाधान निकलने की संभावना कम ही दिखाई पड़ रही है, क्योंकि दोनों पक्ष अपनी-अपनी टेक पर अड़े हुए हैं।

किसान कहते हैं कि तीनों कानून वापस लो जबकि सरकार कहती है कि उसमें जो भी सुधार करना हो, बताते जाइए, हम संशोधन करने की कोशिश करेंगे। वैसे तो किसानों के लिए दरवाजा खुल गया है। वे चाहें तो इतने संशोधन और अभिवर्द्धन बता दें कि उनके हो जाने के बाद ये तीनों कानून पहचाने ही न जाएं। उनका होना या न होना या रहना या न रहना पता ही न चले। लेकिन इस प्रक्रिया में पेंच है। वह यह कि यह द्विपक्षीय संवाद, संवाद न रहकर द्रौपदी का चीर बन सकता है। पहले ही इस 40 दिन पुराने धरने में 55 किसान स्वर्गवासी हो गए हैं। कुछ आत्महत्याएं भी हुई हैं। इतने अहिंसक और निरापद धरने गांधी-सत्याग्रहों की याद ताजा कराते हैं। दिल्ली की इस भयंकर ठंड और बेमौसम बरसात में ये तो पंजाब, हरयाणा और पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसानों का दमगुर्दा है कि वे टिके हुए हैं। उनकी जगह यदि किसी राजनीतिक दल के लोग हुए होते तो वे अब तक भाग खड़े होते।

यह तो अच्छा हुआ कि अभी तक कोई किसान आमरण अनशन पर नहीं बैठा। वह अकेला अनशन इस लंबे धरने से भी भारी पड़ता। सरकार का दावा है कि ये तीनों कानून उसने किसानों के भले के लिए बनाए हैं। यदि वे सहमत नहीं है तो सरकार उनके गले में इन्हें जबर्दस्ती क्यों ठूंस रही है ? जो राज्य इसे मानना चाहें, उन्हें और जो नहीं मानना चाहें, उन्हें भी वह छूट क्यों नहीं दे देती? यों भी इन तीनों कानूनों के बिना भी देश के 94 प्रतिशत किसान मुक्त-खेती और मुक्त-बिक्री के लिए स्वतंत्र हैं। जहां तक 6 प्रतिशत संपन्न किसान, जो सरकार को अपना गेहूं और धान बेचते हैं, वे भी फल और सब्जियां भी उगाना शुरु कर सकते हैं, यदि सरकार उन उत्पादों के लिए भी केरल की तरह न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती रहे। असली मुद्दा यही है। यह मुद्दा आसानी से हल हो सकता है।

वैक्सीन की आमद

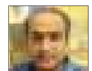

सिद्धार्थ शंकर

कोरोना वैक्सीन के लिए देश के लोगों का इंतजार खत्म हो गया है। भारत बायोटेक की स्वदेशी कोवैक्सिन और सीरम इंस्टीट्यूट की कोवीशील्ड के इमरजेंसी यूज के लिए ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफइंडिया ने मंजूरी दे दी है। जायडस कैडिला हेल्थकेयर की जायकोव-डी को फेज-3 ट्रायल का अप्रूवल मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैक्सीन की मंजूरी के फैसले का स्वागत किया है। साउथ-ईस्ट एशिया की रीजनल डायरेक्टर डॉ. पूनम क्षेत्रपाल सिंह ने कहा कि भारत के फैसले से साउथ-ईस्ट एशिया में महामारी के खिलाफ लड़ाई मजबूत होगी।

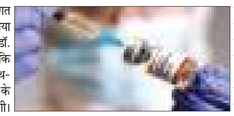

कोरोना पर बनी सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमेटी ने शनिवार को भारत बायोटेक की कोवैक्सिन को इमरजेंसी इस्तेमाल के लिए सशर्त मंजूरी देने की सिफारिश की थी। इसके पहले शुक्रवार को सीरम इंस्टीट्यूट की कोवीशील्ड को भी इसी तरह की मंजूरी देने की सिफारिश की गई थी। दोनों को मंजूरी मिलने से अब उम्मीद जताई जा रही है कि अगले हफ्ते से वैक्सीनेशन ड्राइव भी शुरू हो जाएगा। तैयारियों को परखने के लिए पूरे देश में इसके लिए वैक्सीनेशन ड्राई रन भी शुरू हो चुका है।

महामारी के खिलाफ इस लड़ाई में वैक्सीन की मंजूरी को एक हथियार का काम करेगी। डीसीजीआई की ओर से वैक्सीन को मंजूरी दिए जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताते हुए कहा, बधाई भारत। कोरोना की वैक्सीन को मंजूरी मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को बधाई देते हुए कहा कि सीरम इंस्टीटयूट और भारत बायोटेक की वैक्सीन को डीसीजीआई की मंजूरी मिलने के बाद कोरोना मुक्त राष्ट्र होने का रास्ता साफहो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कोरोना के खिलाफलड़ाई में यह एक उत्साही लड़ाई का निर्णायक मोड़ है। हालांकि, वैक्सीन पर सियासत भी शुरू हो गई है। यूपी में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने वैक्सीन न लगाने का फरमान जारी किया है और कहा है कि यह वैक्सीन भाजपा की है, वे इसे नहीं लगवाएंगे। यूपी में सरकार बनने के बाद वे सभी नागरिकों को फ्री में लगवाएंगे। उधर वैक्सीन में सुअर की चर्बी की अफ्वाह भी तेजी से तैर रही है। कुछ लोग वैक्सीन को लेकर फिज़ूल की बात कर रहे हैं। अगर देखा जाए तो यह कोरी कल्पना है। धर्म विशेष में वैक्सीन के प्रति गलत धारणा बैठाई जा रही है। इससे कोरोना के खिलाफजंग में जीत मिलना मुश्किल हो सकती है।

हालांकि, वैज्ञानिकों ने इस बात के लिए भी आगाह किया है कि वैक्सीन आने का मतलब यह कतई नहीं कि कोरोना चला गया। वैक्सीन के बाद भी लंबे समय तक बचाव के उपाय करने होंगे। सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क को उपयोग करना होगा। वैक्सीन आने का मतलब यह कतई नहीं कि हम सुरक्षित हो गए। वैक्सीन सिर्फकोरोना से बचाव के लिए है। उसे फैलने से रोकने के लिए नहीं। अगर हम चाहते हैं कि देश से कोरोना को खत्म किया जाए, तो सरकार की गाइडलाइन का पालन शत-प्रतिशत करना होगा।

कृषक परेशान फिर भी भारत कृषि प्रधान?

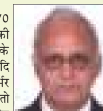

तनवीर जाफरी

भारतवर्ष को कृषि प्रधान देश कहा जाता है। इस कथन से प्रत्येक भारतवासी भली भांति परिचित है। परन्तु इन दिनों देश के किसानों पर क्या गुजर रही है जिनके खून पसीने व कड़ी मेहनत के दम पर विश्व में भारत की पहचान कृषि प्रधान देश के रूप में बानी हुई है? अपनी अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए इस घनी धुंध,कोहरे व शीत लहरी का सामना करते हुए लाखों की तादाद में अन्नदाता दिल्ली के चारों ओर डेरा जमाए हुए है तथा अब भी देश के तमाम राज्यों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में किसान दिल्ली की ओर कूच कर रहा है। यह आंदोलन केवल दिल्ली तक ही सीमित नहीं है बल्कि हरियाणा,पंजाब व चंडीगढ़ सहित अनेक इलाकों में सैकड़ों जगहों पर किसान मुख्य मार्गों पर लंगर लगाकर, लोगों के वाहनों को रुकने की विनती कर राहगीरों को अपनी मांगों से परिचित कराकर इसे किसान आंदोलन के बजाए जन आंदोलन का रूप दे रहे हैं। श्किसान नहीं तो भोजन नहींश् श्छव थंतउमते-छव थ्वववकश् लिखी हुई तख्तियां हाथों में लिए किसान व उनके शिक्षित युवा परिजन अनेक व्यस्त रेड लाइट पर नजर आ रहे हैं जो आम लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। परन्तु सरकार के पास उनकी मांगों को पूरा करने के बजाए किसानों के बारे में समय समय पर तरह तरह की परिभाषाएँ गढ़ने के सिवा और कुछ नहीं। दूसरी ओर किसान अपने बारे में हर तरह की श्अपमान जनक परिभाषाश् सुनने के बावजूद पूरी विनम्रता व साहस का परिचय देते हुए अपनी मुख्य मांगों अर्थात कृषि अध्यादेश वापस लिए जाने की मांगों के प्रति अडिग नजर आ रहा है।

इन असाधारण परिस्थितियों में दो बातें साफतौर पर दिखाई दे रही हैं। एक तो यह कि नरेंद्र मोदी सरकार जो 2014 से ही अपने कठोर फैसलों के लिए अपनी पहचान बना चुकी है भले ही उनके परिणाम घातक या हानिकारक क्यों न रहे हों। वह कृषक अध्यादेश, मतदान के बजाए ध्वनि मत से पारित कराने के अपने फैसले से पीछे हटकर अर्थात इन कानूनों को वापस लेकर श्सरकार की कमजोरीश् का सन्देश नहीं देना चाहती। अपने कदम पीछे हटाकर सरकार अन्य विवादित कानूनों के विरुद्ध किसी अन्य आंदोलन को न्यौता भी नहीं देना चाहती। सीधे शब्दों में अब यह अध्यादेश सरकार के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुका है। सरकार के इस रवैये से यह भी साफ नजर आता है कि उसे किसानों की शंकाओं का ठोस समाधान करने व उन्हें पूरी तरह उनकी फसल के यथोचित मूल्य व उनकी जमीनों की सुरक्षा की पूरी गारंटी देने से ज्यादा दिलचस्पी उन कॉर्पोरेट घरानों के हितों को साधने में है जो बड़े नियोजित तरीके से देश में सैकड़ों बड़े अनाज भण्डारण केंद्र बना चुके हैं। यहाँ तक कि कई भण्डारण केंद्रों में वे अपनी निजी रेल लाइन तक पहुंचा चुके हैं।उधर दूसरी तरफकिसान भी सरकार व कॉर्पोरेट घरानोंकी इस मिली भगत को भांप चुके हैं तभी वे इन नए कृषि अध्यादेशों को वापस लेने से कम में किसी बात पर राजी नहीं हैं और संशोधन आदि का विरोध कर रहे हैं।

ऐसे में चिंता का विषय यह कि वह मोदी सरकार जिसने अपने शासन के छः वर्षों तक निजीकरण को भरपूर बढ़ावा दिया है अनेक बंदरगाह,एयरपोर्ट,संचार,रेल,पेट्रोलियम,रक्षा जैसे अनेक क्षेत्रों को कारपोरेट्स के हवाले कर दिया है क्या सरकार वही स्थिति कृषि क्षेत्र की भी करना चाह रही है ? आखिर ऐसी शंकाएं किसानों में इसीलिए तो पैदा हो रही हैं क्योंकि वह पिछले छः वर्षों से देख रही है कि किस तरह मोदी सरकार उद्योगपतियों के हित साधने में लगी है। पिछले पूरे वर्ष के दौरान खास तौर पर कोरोना काल में जब भारत सहित दुनिया के अधिकांश देशों के उद्योग धंधे व्यवसाय आदि सब ठप पड़े थे भारत के सैकड़ों उद्योग बंद हो गए। उस दौरान भी भारत के सरकार के श्कृपा पात्रश् दो उद्योग पतियों ने अपनी कमाई में कई गुना इजाफा किया। मजे की बात तो यह है कि उन्हीं दिनों में जब बेरोजगार होकर करोड़ों मायूस लोग पैदल अपने अपने घरों की सैकड़ों-हजारों किलोमीटर की यात्रा तय कर रहे थे उस वक्त भी चतुर बुद्धि उद्योगपति व राजनीति के शातिर खिलाड़ी श्आपदा में अवसरश् तलाश रहे थे। परन्तु उस दौर में भी यही अन्नदाता देश में जगह जगह लंगर लगा कर इन बेघर व बेसहारा श्रमिकों को भोजन व अन्य सुविधाएँ मुहैया कराकर भारत के श्कृषि प्रधानश्देश होने के भरम की लाज रख रहा था।

आज वही अन्नदाता जो कि देश की आधी आबादी से भी अधिक है,स्वयं अपने अस्तित्व के लिए चिंतित नजर आ रहा है। तो दूसरी ओर हिंदुत्व के नाम पर देश के लोगों को गुमराह कर धर्म के नाम पर लोकप्रियता हासिल कर कर न केवल किसानों की अनदेखी की जा रही है व उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है बल्कि जिस बहुसंख्य समाज को श्गर्वश् की झूठी अनुभूति कराई जा रही है उन्हें भी बेरोजगारी व मंहगाई के मुंह में निरंतर धकेला जा रहा है। देश मात्र 70 वर्षों की आजादी के बाद यदि आत्म निर्भर बना है तो इसका पूरा श्रेय हरित क्रांति के इन्हीं अन्नदाता रुपी नायकों को ही जाता है न कि किसी एक दो कारपोरेट घरानों को।आज भी देश जिन रीढ़ की हड्डियों पर टिका है वे हैं भारत के किसान,मजदूर,कामगार,मध्य व निम्न मध्य वर्ग के लोग। इनकी अवहेलना,अनदेखी वास्तव में देश की अनदेखी करना है। आश्चर्य की बात है कि स्वयं को लोक हितैषी बताने वाली सरकार संसद में किसानों व कामगारों के हितों में फैसले लेने के बजाए कारपोरेट जगत के हित में निर्णय ले रही है ? क्या इन्हीं कारपोरेट के हितों को साधने वाले कामों के लिए संसद को श्लोकतंत्र के मंदिरश् का नाम दिया गया है ? इन हालात में जबकि देश का कृषक परेशान हो यह कैसे माना जाए कि भारत श्कृषि प्रधान श् देश है ? आज देश नव वर्ष की खुशियाँ तो जरूर मना रहा है परन्तु इस भयंकर शीत ऋतु में जिस तरह आए दिन धरने पर बैठा कोई न कोई किसान अपनी जानें गंवा रहा है कोई भी सच्चा भारतीय ऐसे दुःखद वातावरण में नव वर्ष के जश्न की कल्पना भी कैसे कर सकता है ? देश के लिए जश्न का अवसर तो उस समय होगा जबकि देश का प्रत्येक व्यक्ति संविधान में निहित अपने अधिकारों को हासिल कर रहा हो और स्वयं को सुरक्षित महसूस करे।

राजनीति का गिरता स्तर

डॉ.कुलदीपचंद अग्निहोत्री
वरिष्ठ स्तंभकार

कर्नाटक विधान परिषद के उप सभापति और जनता दल (सैक्युलर) के वरिष्ठ नेता एसएस धर्मगौड़ा ने रेलगाड़ी के नीचे आकर पिछले दिनों आत्महत्या कर ली। उनको विधान परिषद के अंदर ही सोनिया कांग्रेस के सदस्यों ने उप सभापति के आसन से घसीट कर उतारा और वहां से उन्हें धक्के देते हुए हाल के बीचोंबीच ले आए। वहां उनकी मार-कुटाई की। आम तौर पर कहा जाता है कि राजनीति में रहने वाले लोग मोटी चमड़ी के होते हैं। या फिर राजनीति में रहते-रहते चमड़ी खुद ही मोटी हो जाती है। लेकिन चौंसठ साल के धर्मगौड़ा शायद इतने साल बाद भी चमड़ी मोटी नहीं कर पाए। वे संवेदनशील प्राणी थे। इतना अपमान सह नहीं पाए। गुमसुम हो गए। इस घटना के कुछ दिन बाद उनकी लाश रेल की पटरी पर पाई गई। घर वालों का कहना है कि वे इस अपमान को झेल नहीं पाए। जनता दल (सैक्युलर) पूर्व प्रधानमंत्री देवगौड़ा की पार्टी है। देवगौड़ा भी विपक्षी एकता के लिए जितना संभव हो सके, उतना प्रयास करते रहते हैं। इन प्रयासों के भीतर देवगौड़ा धर्मगौड़ा को केवल श्रद्धांजलि दे सकते हैं। वह कायदे से उन्होंने दे दी है। धर्मगौड़ा के अनेक गुण भी उन्होंने गिना दिए हैं। हत्या, आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला, इस प्रकार की बातें करने से विपक्षी एकता में दरारें पड़ने का खतरा पैदा हो जाता है। इसलिए देवगौड़ा की श्रद्धांजलि यहीं पर रुक गई है। विधानसभाओं में हाथापाई प्रायः होती रहती है।

पिछले कुछ दशकों से इन घटनाओं में तेजी भी आई है। लेकिन प्रतिक्रिया में आत्महत्या तक मामला शायद पहली बार पहुंचा है। यह ठीक है कि विधानसभा या संसद में कोई सदस्य क्या बोलता है, उसका संज्ञान सदन से बाहर कोई कानूनी कार्यवाही में नहीं लिया जा सकता, लेकिन सदस्य क्या करता है, उस पर तो कार्यवाही की जानी चाहिए। धर्मगौड़ा के रेल की पटरी पर पड़े शव को देखकर यही लगता है। मान लीजिए कोई एक सदस्य सदन के भीतर किसी दूसरे सदस्य की गला घोंट कर हत्या कर देता है, तो क्या उस पर कार्यवाही नहीं होनी चाहिए? धर्मगौड़ा के साथ सदन के अंदर जिन लोगों ने जो किया, उसकी पूरी फुटेज उपलब्ध है।

क्या वह फुटेज धर्मगौड़ा को रेल की पटरी की ओर जाने के लिए विवश कर रही है! कहा जाता है कि धर्मगौड़ा आत्महत्या से पूर्व कुछ लिख कर भी छोड़ गए हैं। उसकी भी जांच होनी चाहिए। ऐसी ही दूसरी घटना पंजाब में हुई है। वहां एक साथ पूरे प्रदेश में दूरसंचार के लिए स्थापित हजारों टावर तोड़ दिए गए। यह काम रात में नहीं किया गया, बल्कि दिन के उजाले में किया गया। इतना ही नहीं, टावरों को तोड़ते हुए अपने फोटो भी लोगों ने गौरव से दिखाए। पंजाब में सोनिया कांग्रेस की सरकार है। वहां कैप्टन अमरेंद्र सिंह मुख्यमंत्री हैं। कहा जाता है कि यह तोड़फोड़ करने वाले उनकी पार्टी के ही कार्यकर्ता हैं, इसलिए पुलिस ने एक्शन लेने की बात तो दूर, बल्कि इस बात का ध्यान रखा कि उन्हें यह कार्य करने से कोई रोक न सके। जब सारा काम सही सलामत निपटा लिया गया तो पुलिस ने कुछ इक्का-दुक्का स्थानों पर एफआईआर भी दर्ज कर ली। वैसे केवल रिकार्ड के लिए, कैप्टन अमरेंद्र सिंह की सरकार इस तोड़फोड़ को भी एक बड़े आंदोलन का हिस्सा बता रही है। गांव का आम किसान इस प्रकार का काम न करता है और न ही कर सकता है। जो गिरोह इस काम में लगा है, उसके पीछे कौन है और उसका उद्देश्य क्या है, यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लेकिन शायद पंजाब सरकार को लगता हो कि भविष्य में इससे भी वोटों की बारिश हो सकती है।

यह राजनीति करने का नया स्तर है। तीसरी घटना भी पंजाब की ही है। हरजीत सिंह ग्रेवाल पंजाब भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। वे पार्टी के राष्ट्रीय सचिव भी रह चुके हैं। पंजाब में कुछ संगठन कुछ कृषि बिलों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उसके लिए उन्होंने पिछले एक महीने से आंदोलन चला रखा है। लोकतंत्र में यह अधिकार उनको प्राप्त है। लेकिन जरूरी नहीं कि सभी उनके इस आंदोलन का समर्थन ही करें या इसमें हिस्सेदारी निभाएं। भाजपा और कुछ अन्य संगठन इस आंदोलन के साथ नहीं हैं। कृषि अधिनियमों को लेकर उनका दृष्टिकोण अलग है। लेकिन प्रदेश हित में हरजीत सिंह ग्रेवाल प्रयास कर रहे हैं कि किसी तरीके से सरकार और विरोध कर रहे संगठनों के बीच आपस में समझौता हो सके और मामला निपट जाए। जाहिर है इससे पंजाब में उन लोगों को कष्ट होता जो अपने राजनीतिक लाभ के लिए किसी भी तरीके से आंदोलनकारियों और सरकार में समझौता नहीं होने देना चाहते। कांग्रेस को यह आंदोलन चलते रहने से लाभ है। पिछले दिनों कुछ लोगों ने बरनाला में हरजीत सिंह ग्रेवाल का सामाजिक बहिष्कार करने का आह्वान ही नहीं किया, बल्कि यह भी कहा जो भी ग्रेवाल की जमीन किराए पर लेकर हल चलाएगा, उसको भी देख लिया जाएगा।

यह सीधा-सीधा आपराधिक श्रेणी का व्यवहार ही नहीं, बल्कि प्रदेश में अराजकता फैलाने का सुनियोजित षड्यंत्र है। लेकिन पंजाब की कांग्रेस सरकार इसे भी आंदोलन का ही हिस्सा बता रही है। कांग्रेस देश में अराजकता की जिस राजनीति को हवा दे रही है, वह निश्चय ही देश के लिए आत्मघाती है। सोनिया-राहुल इस दिशा में चलें तो समझ में आता है, लेकिन कैप्टन अमरेंद्र सिंह का व्यवहार निश्चय ही निराश करने वाला है। आज जरूरत इस बात की है कि राजनीति के गिरते स्तर पर चिंतन-मनन करके कुछ सकारात्मक किया जाए। इसके लिए सभी दलों को पार्टी हित छोड़कर एक हो जाना चाहिए। तभी हम इस गिरते स्तर को रोक पाएंगे।

मुफ्त टीकाकरण का ऐलान यानी सबके स्वास्थ्य का ध्यान

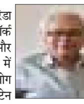

सियाराम पांड्य 'शांत'

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि भारत के सभी नागरिकों को कोविड-19 का टीका मुफ्त लगाया जाएगा। कोरोना के चलते लोगों को लंबे समय तक लॉकडाउन में रहना पड़ा। इस नाते अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई। लोग परेशान थे कि कोरोना का टीका न जाने कितना महंगा होगा। घर के हर सदस्य को टीका लगवाना सबके लिए मुमकिन भी नहीं था। ऐसे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की इस घोषणा से लोगों को बहुत राहत मिली है।

कोरोना का टीका कब से लगेगा, यह तय नहीं हुआ है लेकिन भारत के हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में कोविड-19 के टीकाकरण का पूर्वाभ्यास हो रहा है। इसके लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया है। वैक्सीन को निर्धारित तापमान में रखने के लिए देशभर में कोल्ड चेन की व्यवस्था की गई है। एक भी कोरोना वैक्सीन खराब न हो, इसका ध्यान दिया जा रहा है। इन तैयारियों से पता चलता है कि केंद्र सरकार इस भयानक बीमारी से निपटने को लेकर कितनी गंभीर है? देश में लॉकडाउन लगाने से लेकर लोगों को जागरूक करने तक के उपक्रम में सरकार के नुमाइंदों और यहां तक कि भाजपा के हर कार्यकर्ता को मैदान में उतार दिया गया है।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार गिरावट, कोरोना से स्वस्थ होने वाले लोगों की लगातार बढ़ती संख्या और कोरोना के सक्रिय मामलों में आई उल्लेखनीय कमी एक स्वस्थ संकेत है लेकिन इसपर बहुत उत्साहित होने की नहीं, बल्कि संक्रमण को समाप्त करने को लेकर बेहद गंभीर होने की जरूरत है। इसमें शक नहीं कि भारत का निर्यात पिछले तीन माह में काफी घटा है और उसकी अर्थव्यवस्था में भी काफी गिरावट आई। इसके बाद भी सरकार अगर कोरोना का टीका सबको मुफ्त लगाने की बात कर रही है और वह भी तब जब अपने देश के लोगों की सुरक्षा के लिहाज से वह रूस और अमेरिका से वैक्सीन खरीद रही है, तो यह केंद्र सरकार की संवेदनशीलता नहीं तो और क्या है?

सरकार को लगता है कि देश स्वस्थ रहेगा तो अर्थव्यवस्था अपने आप ठीक हो जाएगी। नीतिकारों ने तो यहां तक कहा है कि स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन है। सरकार इस धन को अगर बचा रही है तो इसे सबसे बड़ी नेमत माना जाना चाहिए। विपक्ष सरकार की इस भावना की तारीफ करने की बजाय उसपर निशाना साधने को ही अपना धर्म समझ रहा है। उसे सोचना होगा कि सरकार किसी को कोरोना से डरा नहीं रही बल्कि जन-जन को संक्रमण से बचने के प्रति सचेत कर रही है। इस देश में पहले भी ढेर सारे टीकाकरण

अभियान चल चुके हैं। शुरुआती दौर में उसे लेकर तमाम भ्रांतियां भी फैलाई गईं लेकिन जनता ने देर-सबेर उसे अपनाया। इसका लाभ हमारे सामने हैं। देश चेचक, पोलियो जैसी बीमारियों के प्रभाव से लगभग मुक्त हो चुका है।

इसमें संदेह नहीं कि कोरोना को लेकर पूरा देश परेशान है। पूरी दुनिया परेशान है। दुनिया के 191 देशों में 8.39 करोड़ लोग कोरोना संक्रमित हो चुके हैं, जबकि 18.27 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। कौन कब इस संघातक बीमारी की चपेट में आ जाए, कहा नहीं जा सकता। हर आदमी डरा-सहमा सा है और इसका असर रिश्तों पर भी पड़ा है। सामाजिक दूरी बनाते-बनाते इंसान कब और कितना अपनों से दूर हो गया है, यह बता पाना उसके लिए भी मुमकिन नहीं है। कोरोना के भय से लोग अभिवादन पर उतर आए हैं। पाश्चात्य देशों में भी लोग हाथ जोड़कर अभिवादन करने को सुरक्षा के लिहाज से मुफीद समझते हैं।

कोविड-19 से निपटने के लिए दुनिया भर में टीकाकरण की तैयारियां तेज हो गई हैं। कई देशों में तो टीकाकरण अभियान का आगाज भी हो चुका है। वैक्सीन के फॉर्मूले चुराने से लेकर उसकी कालाबाजारी की मंशा पाले लोग भी सक्रिय हो गए हैं। पहले चरण में एक करोड़ स्वास्थ्यकर्मी और दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर्स को कोविड-19 का टीका लगाया जाना है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में ड्राई रन शुरू करना एक बड़ा अभियान है। इससे पहले देश के चार राज्यों के दो-दो जिलों में वैक्सीनेशन टीकाकरण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पूर्वाभ्यास किया गया था। पूर्वाभ्यास के दौरान यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई कि टीकाकरण के लिए लोगों का ऑनलाइन पंजीकरण, डाटा एंट्री,लोगों के मोबाइल पर मैसेज भेजने और टीका लगने के बाद इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणपत्र जारी करने में कोई परेशानी तो नहीं आ रही है।

जो लोग धार्मिक आधार पर कोविड-19 के टीके के विरोध कर रहे हैं। अपने धर्मगुरुओं की अपील को भी नजरंदाज कर रहे हैं, उन्हें सोचना होगा कि जीवित व्यक्ति का ही धर्म होता है। जिंदा रहने के लिए स्वस्थ रहना जरूरी है। यह बात जबतक समझी नहीं जाएगी तबतक वास्तविकता को जान पाना किसी के लिए भी आसान नहीं होगा।

अपने को सर्वशक्तिमान समझने वाले अमेरिका में कोरोना से सर्वाधिक 2.01 करोड़ लोग संक्रमित हुए हैं जिसमें 3,47,787 लोग कालकवलित हो गए हैं। कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा वहां निरंतर बढ़ ही रहा है। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में सर्वाधिक 23 लाख लोग संक्रमित हुए हैं जबकि टेक्सास में 17.7 लाख, फ्लोरिडा में 13.2 लाख, न्यूयॉर्क में 979,000 और इलिनॉयस में 963,000 लोग संक्रमित हुए हैं। ब्रिटेन में कोरोना का नया स्ट्रेन मिलने के बाद दुनिया के तमाम देशों ने वहां अपने विमानों की आवाजाही रोक दिए हैं।

ब्राजील में कोरोना संक्रमितों की संख्या 77 लाख से ज्यादा हो गयी है जबकि इस महामारी से वहां 1,95,411 मरीजों की मौत हो चुकी है। रूस में 31.54 लोग कोरोना संक्रमित हैं, वहां इस बीमारी से 56,798 लोगों की मौत हुई है। फ्रांस में 26.97 लाख से ज्यादा लोग इस वायरस से प्रभावित हुए हैं और 64,892 मरीजों की मौत हो चुकी है। ब्रिटेन में 25.49 लाख से ज्यादा लोग संक्रमित हुए हैं और 74,237 लोगों की मौत हुई है। तुर्की में 21,093, इटली में 74,621,स्पेन में 50,837 ,जर्मनी में 33,885,कोलंबिया में 43,495 लोगों ने कोरोना से अपनी जान गंवाई है। अर्जेंटीना में 43,319,मेक्सिको में 1,26,507, पोलैंड में 28,956,ईरान में 55,337, यूक्रेन में 19,437,दक्षिण अफ्रीका में 28,887,पेरू में 37,680, नीदरलैंड में 11,624 ,इंडोनेशिया में 22,329 लोगों की जान कोरोना ने ली है।

इतना सब जानने के बाद भी अगर हम भारतवासी कोरोना को सामान्य बीमारी मानने की भूल करें, केंद्र सरकार पर अपनी कमियों को छिपाने का बहाना बनाने के आरोप लगाएं तो इससे अधिक विडंबना और क्या हो सकती है? यह समय आरोप और संशय से परे जाकर कोरोना से लड़ने का है। यह समय देश के चिकित्सकों की सलाह मानने और खुद को सुरक्षित रखने का है, अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का है। बेहतर होता कि इस देश का हर इंसान जाति-धर्म से ऊपर उठकर खुद को कोरोना से मकड़जाल से बचाने का प्रयास करता। खुद टीके लगवाता और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करता।

अनजाने में बच्चे सीख लेते हैं कुछ बुरी आदतें

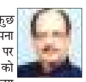

डॉ.अरविन्द प्रेमचंद जैन, लेखक

प्रकृति और स्वाभाव मैं अंतर होता हैं। प्रकृति जन्म से होती हैं जबकि स्वाभाव संगत से या देखादेखी या अनजाने मैं बन जाती हैं। पहले अपने आप माता पिता बनना कोई आसान बात नहीं है, हर समय बच्चे की देखभाल के साथ-साथ उसे कई बुरी चीजों और आदतों से बचाने के लिए सावधान रहना पड़ता है। मां-बाप की नाक के नीचे ही बच्चे सीख लेते हैं कुछ ऐसी बुरी आदते। बच्चे हमेशा दूसरों को देखकर सीखते हैं। स्कूल, टीवी, इंटरनेट और परिवार एवं दोस्तों से बच्चे रोज कुछ नया सीखते रहते हैं, अब ऐसे में बच्चे कुछ अच्छा सीखते हैं तो कुछ बुरी आदतें भी ले ही लेते हैं जिनके बारे में माता पिता को पता तक नहीं चलता है। ये कुछ ऐसी बुरी आदतें होती हैं जो बच्चों को एक बार लग जाएं तो उन्हें छुड़वाना बहुत मुश्किल हो जाता है। आपको बच्चों की ऐसी ही कुछ बुरी आदतों को जिन्हें समय पर नियंत्रित करना जरूरी होता है।

दूसरे बच्चों को देखकर आपके बच्चे में भी ये बुरी आदत आ सकती है। हालांकि, बच्चों को तो ये बिल्कुल पता नहीं होता कि नाक में उंगली देना एक बुरी आदत है। ये आपकी जिम्मेदारी है कि आप अपने बच्चे को समझाएं कि उसका ऐसा करना सही नहीं है

और नाक को साफ करने के लिए उसे टिश्यू का इस्तेमाल करना चाहिए और उसके बाद हाथ जरूर धोने चाहिए। छोटे बच्चे गालियां देना भी सीख लेते हैं और उनके मुंह से निकली गालियां भी अच्छी लगती हैं। अक्सर आपने भी देखा होगा कि बच्चे जब गालियां देते हैं तो उनकी क्यूटनेस पर आसपास के लोग खूब हंसते और प्यार लुटाते हैं। लेकिन पैरेंट्स होने के नाते आपको ये समझना चाहिए कि बच्चों का इतनी कम उम्र में ही गालियां देना या गलत तरीके से बात करना सही नहीं होता है। बच्चों को ये आदत स्कूल या कहीं से भी मिल सकती है। आपको बच्चे को समझाना है कि इस तरह से बात करना सही नहीं है और उसे जल्द से जल्द इसे छोड़ना होगा।

बच्चों का अंगूठा चूसना माता-पिता के लिए एक बहुत ही बड़ी समस्या है। एक बार बच्चे को अंगूठा चूसने की आदत लग जाए तो फिर उसे छुड़वाना मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि बच्चा टीनएज तक इस आदत को न छोड़े। इसलिए जितना जल्दी हो सके बच्चे की अंगूठा चूसने की आदत को छुड़वा दें। कई बच्चे स्ट्रेस में आने पर नाखून चबाने लगते हैं। आमतौर पर बच्चें में ये आदत 10 साल की उम्र के आसपास शुरू होती है। अगर आप बच्चों की इस आदत को छुड़वा भी दें तो कुछ समय बाद ये वापस आ सकती है। ऐसा माना जाता है कि 20 साल की उम्र तक नाखून चबाने की आदत रहती है।अपने बच्चे की नाखून चबाने की आदत को सही समय पर छुड़वाने के लिए उसके नाखूनों पर लोशन वगैरह लगा दें ताकि इसका टेस्ट बच्चे को परेशान कर दे और वो मुंह में नाखून लेना ही बंद कर दे।

आज के समय में बड़ों ही नहीं बल्कि बच्चों को भी फोन से दूर रखना बहुत मुश्किल है। बच्चे फोन पर गेम्स खेलते हैं, कार्टून देखते हैं और अपने पसंदीदा शोज भी देखते हैं। हालांकि, बच्चों के लिए फोन इस्तेमाल करने का एक निर्धारित समय होना चाहिए।आप बच्चे को टेक्नोलोजी से तो दूर नहीं रख सकते, लेकिन इसके इस्तेमाल के समय को तो जरूरत मॉनिटर कर सकते हैं। बड़ों की तरह बच्चे भी मोबाइल से दूर रहना बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। हालांकि, बच्चों के लिए फोन इस्तेमाल करना नुकसानदायक होता है। बच्चों को मोबाइल से दूर रखने के तरीके आजकल सांस लेने जितना ही जरूरी स्मार्टफोन भी हो गए हैं। अब तो बच्चों को भी मोबाइल फोन इस्तेमाल करना बहुत अच्छा लगता है। हालांकि, हम सभी जानते हैं कि बच्चों के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल कितना खतरनाक होता है। अगर आप भी अपने बच्चे के हाथ में स्मार्टफोन थमा देते हैं या आपका बच्चा फोन से दूर जाना बिल्कुल पसंद नहीं करता तो इस आदत के कारण आपके बच्चे को बहुत नुकसान हो सकता है। आप आसानी से अपने बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रख सकते हैं। बाहर जाने से रोकने पर बच्चे घर में ही अपनी पसंद के खेल ढूंढ लेते हैं। कुछ बच्चे खिलौनों से खेलते हैं तो कुछ स्मार्टफोन को ही अपना दोस्त बना लेते हैं। घर पर रहने पर आपके बच्चे को मोबाइल की लत लग जाए, इससे तो अच्छा होगा कि आप उसे रोज पार्क ले जाएं और वहां उसे उसके दोस्तों के साथ खेलने के लिए प्रेरित करें।

अब स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का एक अहम हिस्सा हो गए हैं। बच्चों से भी फोन को दूर रखना आसान बात नहीं है। कभी न कभी तो बच्चे मोबाइल इस्तेमाल करना शुरू करेंगे ही और उस समय उन्हें इसकी आदत हो जाएगी।इससे बेहतर होगा कि आप बच्चे को अपना फोन इस्तेमाल करने के लिए दें, लेकिन साथ ही उसे ये भी समझाएं कि उसे सिर्फ एक सीमित समय के लिए ही फोन इस्तेमाल करने को दिया गया है। खाना खाते समय, पढ़ते समय, सोते समय या बाहर जाने या खेलने के समय पर स्मार्टफोन न दें।

बच्चे से बात करें स्मार्टफोन के चमकीले रंग और एनिमेशन बच्चों को अपनी ओर खींचते हैं। बच्चों को फोन से सेहत को होने वाले नुकसानों के बारे में समझाएं। उससे बात करें या वीडियो वगैरह दिखाकर उसे यह समझाने की कोशिश करें कि फोन का इस्तेमाल बच्चों के लिए हानिकारक होता है।

हर बार फोन इस्तेमाल करते हुए तो आप अपने बच्चे के पास मौजूद नहीं हो सकते हैं। ऐसे में टेक्नोलॉजी आपकी मदद कर सकती है। अपने फोन में पासवर्ड लगाकर रखें ताकि आपकी गैर-मौजूदगी में वो फोन इस्तेमाल न कर सके। बच्चों के लिए प्रकृति नैचुरल थेरेपी का काम करती है और इससे आपके बच्चे फोन से भी दूर रह सकते हैं। अपने बच्चों को बाहर किसी हरी-भरी जगह या पार्क वगैरह घुमाने ले जाएं। इससे बच्चों को तरोताजा भी महसूस होगा। बच्चे अपने आप ही वहां अपनी पसंद का कोई गेम ढूंढ लेंगे।

सभी पैरेंट्स अपने काम और जिम्मेदारियों में बहुत व्यस्त रहते हैं लेकिन फिर भी अपने बच्चे के लिए समय निकालना बहुत जरूरी है। बच्चों के साथ बोर्ड गेम खेलें या कुकिंग या बागवानी जैसे कामों में उनकी मदद लें। आप बच्चों को गाना सीखने, किताबें पढ़ने या पेंटिंग करने की हॉबी भी सिखा सकती हैं। इन तरीकों से बच्चों को फोन से दूर रखना आपके लिए काफी आसान हो सकता है। बड़ों की तरह बच्चे भी मोबाइल से दूर रहना बिल्कुल पसंद नहीं करते हैं। हालांकि, बच्चों के लिए फोन इस्तेमाल करना नुकसानदायक होता है।

स्वस्थ होना भी जीवनमूल्य

हृदयनारायण दीक्षित

चिकित्सा विज्ञान ने विस्मयकारी उन्नति की है। हृदय, गुर्दा जैसे संवेदनशील अंगों की शल्यक्रिया आश्चर्यजनक है। सामान्य बीमारियों के साथ ही गंभीर बीमारियों के उपचार भी आसान हो गए हैं। लेकिन अभी रोग रहित मानवता का स्वप्न दूर है। रोगों की दवाएं हैं। प्रश्न है कि क्या कभी रोगों का होना ही रोका जा सकता है। पूर्वज अमृत की कल्पना करते रहे हैं। रोगों के आगमन पर ताला डालने की इच्छाशक्ति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रकट की है। उपाय अनेक हैं। उन्होंने स्वच्छता को शीर्ष महत्व दिया। अभियान चले। योग निरोग बनाने का मार्ग है। प्रधानमंत्री ने योग को लोकप्रिय बनाया। अब फिट इण्डिया अभियान की बारी है। इस अभियान का सर्वत्र स्वागत हो रहा है।

स्वास्थ्य सहज अभिलाषा है। सभी प्राणी स्वस्थ रहना चाहते हैं। इस संसार के सभी सुख और आनंद सुंदर स्वास्थ्य द्वारा ही उपलब्ध होते हैं। रोगी को जीवन के सुखों में हिस्सा नहीं मिलता है। स्वस्थ होना भी जीवनमूल्य है। भारतीय चिंतन में स्वस्थ शरीर की चिंता प्राथमिकता रही है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में सुंदर स्वास्थ्य की जीवन शैली है। यहां पूरी दिनचर्या स्वास्थ्य से जुड़ी हुई है। ऋग्वेद में अनेक मंत्रों में स्वस्थ और दीर्घ जीवन की अभिलाषा है। ऋषि कवि सौ बरस का जीवन चाहते हैं, लेकिन प्रार्थना करते हैं कि वह सौ साल तक शरीर से भी स्वस्थ्य रहें। 100 साल तक सूर्य दर्शन करें। सतत् कर्म करें। सभी दायित्वों का निर्वहन करें और इसके लिए शरीर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी है।

धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष भारतीय राष्ट्र जीवन के चार पुरुषार्थ हैं। शरीर को धर्मसाधना का उपकरण बताया गया है। अर्थ की प्राप्ति भी रुग्ण शरीर द्वारा संभव नहीं है। किसी भी कामना की पूर्ति के लिए स्वस्थ शरीर चाहिए। मोक्ष या मुक्ति प्राप्ति के लिए भी इसी संसार में कर्म, तप किए जाते हैं। कर्म व तप स्वस्थ शरीर से ही संभव हैं। भक्ति, योग, तप और जप स्वस्थ शरीर के बिना नहीं हो सकते है। कठोपनिषद् में स्पष्ट रूप में कहा गया है कि ÷बलहीन को आत्मज्ञान नहीं मिलता है। आत्मज्ञान के लिए भी स्वस्थ्य शरीर की आवश्यकता होती है।÷ आत्मज्ञान ही नहीं सामान्य संसारी ज्ञान की प्राप्ति भी स्वस्थ शरीर से ही होती है। स्वस्थ व्यक्ति जल्दी सिखाता है, जल्दी सीखता है। वस्तुतः रोग मुक्ति स्वास्थ्य नहीं है। रोगों का न होना और स्वस्थ होना अलग-अलग बाते हैं। स्वस्थ का अर्थ है स्वयं में होना। जैसे गृहस्थ का अर्थ है घर से सम्बन्धित होना। संन्यस्थ का अर्थ है संन्यास से जुड़े होना। वैसे ही स्वस्थ का अर्थ है स्वयं से सम्बन्धित होना। स्वास्थ्य प्रकृति है। रोग विकृति है। स्वस्थ होना प्रकृति के अनंतसंगीत में होना है। हमारे पूर्वजों ने प्राचीनकाल से ही स्वस्थ रहने के विषय पर गंभीर चिंतन किया था।

अथर्ववेद में भरापूरा स्वास्थ्य विज्ञान है। सहस्त्रों औषधियों के उल्लेख के साथ योग के भी संकेत हैं।

योग भारत का प्राचीन विज्ञान है। पतंजलि ने ईशा के लगभग दो सौ वर्ष पहले योग सूत्रों की रचना की थी। योग प्रत्येक तरह से स्वस्थ रहने का विज्ञान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योग को अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है। योग विश्व स्तर पर चर्चा का विषय है। यह केवल शारीरिक रोग ही नहीं दूर करता। मन, बुद्धि और सम्पूर्ण अंतःकरण को भी स्वस्थ रखता है। विश्व मानवता का आकर्षण योग की तरफलगातार बढ़ रहा है। सरकार ने भी योग को बढ़ावा देने की नीति अपनाई है। योग के लाभ सर्वविदित व सर्वपरिचित हैं।

प्राकृतिक पर्यावरण भी स्वास्थ्य का आधार है। वायु और जल प्रदूषण से तमाम बीमारियाँ बढ़ी हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान में इन बीमारियों की भी चर्चा है। चरकसंहिता में कहा गया है कि जब रोग बढ़ने लगे तो समाज चेता, विद्वानों ने बैठक की और गहन चिंतन जारी रहा। इसके साथ ही आयुर्विज्ञान का विकास हुआ। आयुर्वेद आयु का ही वेद है। सम्प्रति भारत सरकार व राज्यों के राजकोष से बीमारियों पर करोड़ों रुपये का बजट खर्च होता है। भारतीय आयुर्विज्ञान में रोग न होने देने के तमाम उपाय हैं। आज रोग निरोधक शक्ति की भी बहुत चर्चा है। यह शक्ति मनुष्य के शरीर में होती ही है। जीवनचर्या के अव्यवस्थित होने से रोग निरोधक शक्ति घटती है। आयुर्वेद में अनेक औषधियाँ हैं। ये रोग निरोधक शक्ति बढ़ाती हैं। स्वस्थ शरीर में वैसे भी प्राकृतिक रूप से रोगों से लड़ने की क्षमता होती है।

भारतीय दिनचर्या प्राचीनकाल से स्वास्थ्य का स्वभाविक संधान रही है। प्रातः उठना, स्नान करना, कुछ खाना, काम करना स्वास्थ्यवर्द्धक है। इसी दिनचर्या में स्वस्थ जीवन के स्वर्ण सूत्र हैं। लेकिन औद्योगिक क्रान्ति और अन्य प्रभावों के कारण दिनचर्या और सभ्यता में परिवर्तन आए हैं। सभ्यता के परिवर्तन के कारण दिनचर्या उलट-पलट गयी है। इससे सभी अंगों पर प्रभाव पड़ा है। प्राचीन ऋषि सजग थे। केनोपनिषद् के शांति पाठ में प्रार्थना करते हैं कि ''मेरे सभी अंग वाणी, प्राण और आँख, कान स्वस्थ रहें। इन्द्रियाँ स्वस्थ रहें और शरीर में बल भी रहे।'' इसी प्रकार ऋग्वेद के मंत्र में कहते हैं कि हमारे कान ठीक से सुनें, हमारी आँख ठीक से देखें। हमारे शरीर के सभी अंग सुदृढ़ व मजबूत रहें। हमारी आयु दीर्घ हो। स्वस्थ रहें।

प्रधानमंत्री ने फिट इण्डिया का नारा दिया है। सबके स्वास्थ्य से भारत शक्तिशाली होगा। स्वस्थ भारत ही आत्मनिर्भर भारत होगा। स्वस्थ भारत अजेय भारत होगा। स्वास्थ्य प्राप्ति के अनेक उपाय हैं। व्यायाम और खेलकूद भी स्वस्थ भारत के विकास में सहायक है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के स्वास्थ्य के लिए भी चिंतित रहना चाहिए। हम सब अन्य कामों की चिंता ज्यादा करते हैं। स्वस्थ्य रहना स्वयं की चिंता है। स्वयं की चिंता से राष्ट्रीय स्वास्थ्य का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष हैं।)

न्यूज ब्रीफ

त्रि-स्तरीय पंचायतों की मतदाता-सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी

माही की गूंज, बड़वानी। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा त्रि-स्तरीय पंचायतों के निर्वाचन के लिए 1 जनवरी, 2021 की संदर्भ तारीख के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता-सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया गया है, रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति की जा चुकी है। फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता-सूची का ग्राम पंचायत एवं अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 8 फरवरी को होगा। दावा-आपत्ति केन्द्रों पर 15 फरवरी तक दावे-आपत्ति लिए जाएगे। दावे-आपत्तियों का निराकरण 20 फरवरी तक किया जाएगा। फोटोयुक्त अंतिम मतदाता-सूची का ग्राम पंचायत तथा अन्य विहित स्थानों पर सार्वजनिक प्रकाशन 3 मार्च को किया जाएगा।

कलेक्टर ने नियुक्त किए रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराजसिंह वर्मा ने त्रि-स्तरीय पंचायतो में उक्त कार्य हेतु रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण तथा अपीलिय अधिकारी नियुक्त किया है। विकासखण्ड बड़वानी के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बड़वानी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार बड़वानी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी। विकासखण्ड पाटी के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बड़वानी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं प्रभारी तहसीलदार पाटी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी। विकासखण्ड सेंधवा के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सेंधवा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार सेंधवा तथा प्रभारी तहसीलदार वरला सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी। विकासखण्ड राजपुर के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार राजपुर सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी। विकासखण्ड ठीकरी के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं प्रभारी तहसीलदार ठीकरी सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी। विकासखण्ड पानसेमल के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पानसेमल रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार पानसेमल सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी। विकासखण्ड निवाली के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पानसेमल रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं प्रभारी तहसीलदार निवाली सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए है। जबकि उक्त समस्त जनपद पंचायत के लिए अपर कलेक्टर बड़वानी अपीलिय अधिकारी नियुक्त किए गए है।

कलेक्टर ने राजस्व निरीक्षक को किया निलम्बित

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने सुशासन अभियान के अंतर्गत उच्च अधिकारियों से प्राप्त निर्देशो पर अमल न करने वाले अंजड़ के राजस्व निरीक्षक ओकार मनाग्रे को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। निलम्बन काल में सबंधित का मुख्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख कार्यालय बड़वानी नियत किया गया है।

कलेक्टर ने यूरिया की बोरी में कम मात्रा पाई जाने पर प्रबंध संचालक को लिखा पत्र

माही की गूंज, बड़वानी। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने खण्डवा रेक पाइंट से कृषि उपज मण्डी परिसर अंजड़ को प्राप्त इफ्को कम्पनी के यूरिया खाद की बोरी में निर्धारित मात्रा से कम यूरिया खाद निकलने पर प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित भोपाल को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई करवाने की बात कही है, साथ ही कलेक्टर ने खण्डवा रेक पाइंट से प्राप्त 600 बेग यूरिया को वापस खण्डवा रेक पाइंट पर लौटने के भी निर्देश दिए है।

बतादे कि, किसानों की शिकायत पर कलेक्टर श्री वर्मा ने जिला विपणन अधिकारी को भेजकर अंजड़ मण्डी परिसर में उतारे गए समस्त बोरियो की तोल करवाया था, जिसमें ज्ञात हुआ कि, बोरी में निर्धारित 45 किलो की मात्रा से 3 से 5 किलो तक यूरिया खाद प्रत्येक बोरी में कम है।

बर्ड फ्लू: चिकन और अंडे से मानव स्वास्थ्य को खतरा नहीं

प्रदेश में अब तक 400 कौओं की मृत्यु

माही की गूंज, खरगोन। प्रदेश के इंदौर, मंदसौर और आगर जिलों में कौओं में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। जबकि उज्जैन, सीहोर, देवास, गुना, शाजापुर, खरगोन और नीमच जिलों में कौओं की मृत्यु होने पर सैंपल एकत्र कर रोकथाम की कार्रवाई की गई है। इन जिलों से सैंपल भारतीय उच्च सुरक्षा रोग अनुसंधान प्रयोगशाला, भोपाल भेजकर रोग पुष्टि की प्रतीक्षा की जा रही है। प्रदेश में अब तक लगभग 400 कौओं की मृत्यु की सूचना मिली है। पशुपालन प्रबंध संचालक के अनुसार मुर्गियों में बर्ड फ्लू वायरस एच5 एन8 अभी तक नहीं पाया गया है, चिकन तथा अंडों आदि को अच्छी तरह पकाकर उपयोग किया जा सकता है, इनसे मानव स्वास्थ्य को किसी प्रकार का खतरा नहीं है। प्रदेश में बर्ड फ्लू की स्थिति से भारत सरकार को प्रतिदिन अवगत कराया जा रहा है, पशुपालन विभाग द्वारा बर्ड फ्लू वाले जिलों में कलेक्टर्स के मार्गदर्शन में पशुपालन, वन, स्वास्थ्य विभाग एवं स्थानीय निकायों के समंवित प्रयासों से तत्काल रोग नियंत्रण, सैंपल एकत्रीकरण, डिसइंफेक्शन, डिस्पोजल आदि की कार्यवाही की गई है। सभी जिलों को भारत सरकार की एडवाइजरी के अनुसार कार्रवाई करने और सतर्कता बरतने के निर्देश दिए है।

बजी निकाय चुनाव की रणभेरी, कुशलगढ़ नगर पालिका के 20 वार्डों में होंगे चुनाव

माही की गूंज, कुशलगढ (राज.)। नितिन झाकरोद

राजस्थान में फिर चुनाव रणभेरी बज गई है, आगामी 28 जनवरी को नगर निकाय के चुनाव होंगे, जिसमें कुशलगढ नगरपालिका के 20 वार्डो के लिए मतदाता पार्षद चुनेंगे। चुनाव की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों की सरगर्मियां बढ़ गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के निकायो में चुनाव की तारीखो की मंगलवार को घोषणा की। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आचार संहिता लागू हो गई है। इधर आयोग की ओर से चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह ने बताया कि, कुशलगढ नगरपालिका के 20 वार्डो में चुनाव कराए जाएंगे इसके लिए अधिसूचना 11 जनवरी को जारी होने के साथ नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। 15 जनवरी तक पर्चे दाखिल होंगे इसकी जांच

16 जनवरी को होगी, 19 जनवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे, 20 को चुनाव चिन्ह का आवंटन होगा, 28 जनवरी को सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा।

अध्यक्ष के लिए अधिसूचना 1 फरवरी को जारी की जाएगी, अगले दिन सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे 3 फरवरी को नामांकन की जांच होगी 4 को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद चुनाव चिन्ह का आवंटन किया जाएगा, 7 फरवरी को निर्वाचित पार्षद सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच अध्यक्ष को चुनने के लिए वोट डालेंगे, इसके बाद मतगणना होगी और परिणाम की घोषणा की जाएगी। उपाध्यक्ष के लिए 8 फरवरी को सुबह 10 बजे बैठक होगी 11 बजे तक नामांकन दाखिल किया जा सकेगा साढे 11 बजे नामांकन पत्रों की जांच होगी, दोपहर 2 बजे तक नाम वापस लिया जा सकेगा। आवश्यकता होने पर दोपहर ढाई बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा और परिणाम की घोषणा की जाएगी।

भाजपा मंडल की बैठक हुई संपन्न

माही की गूंज, सारंगी।

भाजपा मंडल सारंगी की बैठक का आयोजन पाटीदार धर्मशाला में किया गया। बैठक में केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार के द्वारा किसान हित में लाए गए बिल पर कांग्रेस पार्टी द्वारा किसानों को भ्रमित किया जा रहा है इसलिए भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर तक किसान बिल से होने वाले फायदे और किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में बताया, इस हेतु प्रत्येक पंचायत पर प्रभारी व सह प्रभारी बनाकर कार्य सौंपा गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी, रामचंद्र भूरिया, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, कार्यालय मंत्री और कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी सुरेशचंद परिहार ने किया।

गुडरखेड़ा ने मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की

माही की गूंज, रतलाम/पिपलोदा। भाजपा के सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक डॉ.राजेंद्र पांडेय की अनुशंसा व भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह लुनेरा की सहमति से भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुडरखेडा ने मंडल कार्यकारिणीं की घोषणा की। इसमे 6 उपाध्यक्ष, 6 मंत्री तथा 2 महामंत्री बनाए गए हैं। पदाधिकारियों में 6 महिलाओं को भी स्थान दिया गया है। धामेड़ी के दिनेश पाटीदार तथा चांचरी के अशोक निनामा को महामंत्री, संगीता भंवर धनगर, जोरावरसिंह, कचरूलाल जाट, कांतिलाल पाटीदार, डॉ.ओपी जोशी, कारूलाल डांगी को उपाध्यक्ष, रामगोपाली नारायण धनगर, रामकन्या बालाराम पाटीदार, लोकेंद्रसिंह सिसोदिया, गिरधारीलाल माली, भेरूसिंह सोलंकी, गीताबाई शंकरलाल पारगी को मंत्री, सुगन प्रकाशचन्द्र पाटीदार कोषाध?यक्ष संगीता गेंदालाल सेन को सह कोषाध?यक्ष, मण्डल प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी प्रफुल्ल जैन,सह मीडिया प्रभारी चंद्रप्रकाश पालीवाल, कार्यालयमंत्री महेश बोहरा,सह कार्यालय मंत्री माणक पाटीदार,गोपाल पटेल, आईटी सेल प्रभारी मनमोहनसिंह राणा,सह प्रभारी दिव्यांशु शर्मा,प्रहलाद पाटीदार को मनोनीत किया गया। साथ ही 35 कार्यकर्ताओ को कार्यकारिणी में लिया गया व 78 विशेष स्थाई आमंत्रित सदस्य बनाए गए।

अवसाद से घबराए नहीं उससे उभरने के लिए विशेषज्ञ से लें परामर्श- डॉ यादव

माही की गूंज, बड़वानी।

आधुनिक दौर में संयुक्त परिवारों का विघटन, अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, अनियमित दिनचर्या, सामाजिक संपर्क का अभाव आदि घटक अवसाद की समस्या को निरंतर गति दे रहे हैं। उक्त बातें पूर्व कुलपति एवं आशा ग्राम ट्रस्ट के सचिव डॉक्टर शिव नारायण यादव ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र आशा ग्राम में आयोजित कार्यशाला अवसाद एक मनोविकार विषय पर अपने उद्बोधन के दौरान कही।

इस अवसर पर मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर राहुल पाटीदार ने बताया कि, अवसाद प्रत्येक व्यक्ति के जीवन काल में स्वतः घटित होने वाली एक प्रक्रिया है, कभी-कभी विशेष परिस्थिति जन्य कारणों में घटित अवसाद हमारे मन को अत्यधिक प्रभावित कर देता है, फलस्वरूप हम गंभीर अवसाद के शिकार हो जाते हैं। सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग अंतर्गत जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र पर समय-समय पर विषय विशेषज्ञों के द्वारा कार्यशाला का आयोजन कर दिव्यांगता के विभिन्न प्रकारों पर सुधिजनों को संबल बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है, जिससे कि वह अपने कार्यो को पुनर्वास के सही आयामों में जोड़ सकें। डॉ. पाटीदार ने बताया कि, उम्र के 14 वर्ष से 24 वर्ष का समय अवसाद के लिए अत्यधिक संवेदनशील समय होता है तथा यहीं से हम जीवन की सही दिशा और दशा तय करते हैं। आज के दौर में युवा तेजी से अवसाद के शिकार हो रहे हैं फलस्वरूप सड़क दुर्घटना एवं आत्महत्या जैसे मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं।

इस दौरान ट्रस्ट के मनीष पाटीदार, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की श्रीमती नीता दुबे, श्रीमती आशा पटेल, आशा चिकित्सालय की डॉक्टर शुर्ती हिमांशु वाबले, दूरसिंह गुथरे, कुंदन तवर, प्रदीप किराड़े एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासकीय परिसरों से अतिक्रमण का सफाया शुरू

माही की गूंज, खरगोन।

कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी के निर्देशन में बुधवार को जिले में राजस्व विभाग द्वारा कई स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कलेक्टर श्रीमती अनुग्रह पी ने जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक एवं जनजातीय कार्य विभाग को को ऐसी संस्थाओ की सूची बनाने के निर्देश थे, जहां अतिक्रमण किया गया हो। इसी के मद्देनजर जिला अधिकारियों ने राजस्व विभाग को सूची सौंप दी है। सूची मिलने के बाद राजस्व विभाग ने बुधवार को स्थानीय भीकनगांव में स्कूल परिसर, बड़वाह तहसील के ग्राम बेकल्या में स्कूल परिसर, महेश्वर रोड़ पर एमपीईबी की जमीन से ढ़ाबा, नवलपुरा बिस्टान स्कूल परिसर एवं गोगावां की आवली स्कूल परिसर सहित ऐसे अन्य स्थलों पर कार्रवाई कर अतिक्रमण हटाया गया।

मकर सक्रांति के उपलक्ष में 16 जनवरी को गिल्ली-डंडा प्रतियोगिता का आयोजन - झाबुआ की मातृ शक्तियां ले सकेंगी भाग

माही की गूंज, झाबुआ।

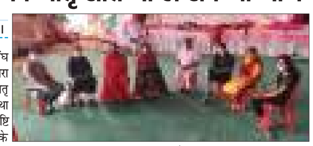

सकल व्यापारी संघ महिला इकाई झाबुआ द्वारा शहर में प्रथम बार मातृ शक्तियों के मनोरंजन तथा उन्हें प्रोत्साहन देने की दृष्टि से मकर सक्रांति के उपलक्ष में गिल्ली-डंडा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

सकल व्यापारी संघ महिला इकाई अध्यक्ष भूमिका माहेश्वरी ने बताया कि वर्तमान में मकर सक्रांति के पावन पर्व पर लोग प्रायरू पतंग उड़ाने का तो आनंद लेते है, लेकिन प्राचीनतम समय से चली आ रहीं गिल्ली-डंडा खेलने की परंपरा विलुप्त सी होती जा रहीं है। गिल्ली-डंडा खेलने में विशेष रूप से महिलाओं और बालिकाओं की रूचि होती है। जिसे देखते हुए सकल व्यापारी संघ महिला इकाई द्वारा आगामी 16 जनवरी को स्थानीय लक्ष्मीनगर स्थित अंबा पैलेस पर दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक गिल्ली-डंडा प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है। यह प्रतियोगिता सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष नीरजसिंह राठौर के विशेष सहयोग से आयोजित की जा रहीं है। आयोजन की रूपरेखा हेतु महिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक भी पिछले दिनों पैलेस गार्डन पर संपन्न हुई।

विजेताओं को प्रदान किए जाएंगे पुरस्कार

संस्था की सचिव नेहा संघवी ने बताया कि प्रतियोगिता में 15 वर्ष से ज्यादा उम्र की समस्त मातृ शक्तियां भाग ले सकती है। उन्हें प्रोत्साहन देने हेतु विजेता प्रतिभागी को 1100 रूपए तथा उप विजेता प्रतिभागी को 751 रूपए का पुरस्कार भी रखा गया है। इसके अतिरिक्त अन्य आकर्षक पुरस्कार प्रतियोगियों को प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अंतिम तिथि 10 जनवरी है। पंजीयन हेतु अध्यक्ष भूमिका माहेश्वरी, सचिव नेहा संघवी, संरक्षक कुंता सोनी, प्रिया त्रिवेदी तथा मंजुला शाह से संपर्क किया जा सकता है।

माँ की कर्मभूमि पर पुत्र ने करवाया जरुरतमंदो को भोजन

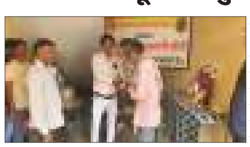

माही की गूंज, बड़वानी।

स्व. श्रीमति शांताबाई नवरतन बड़के जो कि, दिनदयाल रसोई केंद्र पर सेवा करती थी और अपने सेवाकार्य के दौरान ही उनका असामयिक निधन हो गया था। उनकी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र मुकेश बड़के व परिजनों ने लायंस क्लब द्वारा संचालित दिनदयाल रसोई केंद्र पर जरूरतमंद बुजुर्गों, बीमारों और उनके परिजनों हेतु विशेष भोजन पूड़ी-सब्जी, दाल-चावल व मिठाई-नमकीन बनवाया एवं पूरे परिवार सहित जरुरतमंदो को अपने हाथों से परोसा।

मुकेश बड़के ने बताया कि, अस्पताल में आसपास के आदिवासी अंचल के कई मरीज अस्पताल में आते है, जो भोजन के लिए इधर-उधर भटकते है। ऐसे में दीनदयाल रसोई केंद्र उन्हें भरपेट भोजन उपलब्ध करवा रहा है और दिनदयाल रसोई केंद्र में जरुरतमंदो को भोजन करवाकर अपनी माँ को श्रंद्धाजलि अर्पित की है। लायंस क्लब चेयरपर्सन लायन राम जाट व लायन महेश जोशी ने स्व. श्रीमती शांताबाई को श्रद्धाजंलि देकर बड़के परिवार की इस पहल के लिए आभार प्रकट किया।

सरपंच ने नहर के बहते पानी में ही बना डाला स्टॉप डेम, घटिया निर्माण नहर के पानी मे ही बह गया

माही की गूंज, पेटलावद।

विकास खण्ड की कई पंचायतो में नदी पुनर्जन्म के नाम पर लाखों के चैक डेम बनाए जा रहे है, लेकिन भ्रष्टाचार की काली छाया शासन की इस मंशा पर भी पड़ गई। अधिकांस चैक डेम घटिया निर्माण और कमीशन खोरी के भेट चढ़ गए। हम बात कर रहे हैं ग्राम पंचायत बाछिखेडा की जहां भ्रष्टाचार पर कुछ दिनों तक लगाम लगने के बाद अब पुनः भ्रष्टाचार शुरू हो गया है। ग्राम पंचायत बाछिखेडो में जो स्टाप डेम बनाया जा रहा है, उसे भी इस सूची में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया है, सभी को पता है कि, माही का पानी पेटलावद क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में बह रहा है, जो बरसात के समय नहीं बहता उससे अधिक पानी अभी बह रहा है, फिर भी यहां के सरपंच नानुराम मुनिया द्वारा सचिव के साथ मिलकर चैक डेम को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया, पूरी तरह से घटिया तरीके से बनाए जा रहे इस डेम में नाले की रेत लगाई जा रही हे, जिसमें मिट्टी ही मिट्टी है, माल की कोई क्वॉलिटी नहीं, पानी का इतना भहाव होते हुए भी मटेरियल डालकर उस स्टाप डेम को बनाया और सारी सीमेंट बहकर नाले में चली जा रही है, अधिकारी अपनी आंखें मूंदे बैठे है, अभी तक किसी अधिकारी ने ऐसे अनेक मामले आने पर भी कोई कार्रवाई, कोई एक्शन नहीं लिया। ग्राम पंचायत बाछिखेड़ा के ग्रामीणजनों का कहना है कि, यहां पर ऐसे भ्रष्ट सचिवों की जरूरत नहीं है जो पहले से ही भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुके हैं, यहां पर सिर्फजागरूक सचिव की आवश्यकता है, अनेक प्रकार से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाना यह सब जनपद में बैठे अधिकारियों की लापरवाही और मिलीभगत साबित होती हैं।

स्ट्रीट वेण्डर योजना का लाभ मिलने पर संतोष ने मुख्यमंत्री को दिया धन्यवाद

माही की गूंज, बड़वानी। बड़वानी बस स्टेण्ड पर पानी-पूरी का ठेला लगाकर व्यवसाय करने वाले संतोष सावले ने बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से वर्चुअल चर्चा करते हुए बताया कि, शासकीय योजनाओं से मिले फायदे के कारण ही आज में पुनः अपने पैरो पर खड़ा होकर, परिवार का गुजर-बसर कर पा रहा हूं, यदि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर योजना का लाभ, समय पर नही मिल पाता तो आज में फिर से दिहाड़ी मजदूरी करने को मजबूर होता। इसके लिए प्रधानमंत्री और आप मुख्यमंत्री दोनो को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होने हम गरीबो को आत्म सम्मान से जीने का अवसर प्रदान किया। इस दौरान उन्होने मुख्यमंत्री को बताया कि, कैसे लॉकडाउन के कारण उनकी पानी-पूरी की दुकान बंद हो गई थी। जिसके कारण उन्हें अपनी जमा पूंजी से परिवार का गुजर-बसर करना पड़ा था। जिससे उनके पास इतनी भी राशि नही बची थी, कि, वे दुबारा अपनी पानी-पूरी की दुकान लगा पाते। ऐसे में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेण्डर योजना से मिले 10 हजार रूपए ने उन्हें नई ताकत दी। जिससे वे आज पुनः अपने पैरो पर खड़े होकर, परिवार का पालन और पिता होने का धर्म, पुत्री को मेडिकल की पढ़ाई जबलपुर में करवाकर अच्छी तरह से निभा रहे है।

मसीह अस्पताल को चालू कराने के लिए कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

तीन दिन में अस्पताल चालू नही हुआ तो होगा आंदोलन

माही की गूंज, आलीराजपुर।

विगत दिनों जिले के मसीह अस्पताल जोबट में भर्ती एक गर्भवती महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में क्षेत्र के एक संगठन के दबाव में जिला प्रशासन ने मनमानीपूर्ण तथा एक तरफा कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील कर दिया था। जबकि पिछले कई वर्षो से यह अस्पताल निःस्वार्थ ओर सेवाभाव से क्षेत्र में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाऐं दे रहा था। अस्पताल बंद हो जाने से जिले के मरीजों को ईलाज संबंधी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री ओर कलेक्टर को पत्राचार के माध्यम से अवगत कराकर उक्त अस्पताल को चालु करने की मांग की है। साथ ही श्री पटेल ने चेतावनी देते हुए कहा कि, आगामी तीन दिनो मे अस्पताल चालु नही किया गया तो जिला

कांग्रेस कमेटी, अस्पताल के कर्मचारीयों एवं जोबट नगरवासीयों द्वारा धरना देकर आंदोलन किया जाएगा।

आजादी के पुर्व से ही चिकित्सा सेवाएं दे रहा अस्पताल

श्री पटेल ने बताया कि, जोबट स्थित मसीह अस्पताल भारत की आजादी से पूर्व वर्ष 1922 से इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में पूर्ण सेवाभाव के साथ अपनी निःस्वार्थ स्वास्थ्य संबंधी सेवाऐं देता आ रहा है। उक्त अस्पताल को अनेक पुरस्कार भी प्राप्त हुए है, पूरे क्षेत्र में इस अस्पताल ने सर्वाधिक प्रसिद्धि हासिल कर रखी है, अस्पताल प्रबंधन ने वर्ष 2017 से ही अस्पताल के रजिस्ट्रेशन के नवीनकरण की कार्रवाई कर दी थी। परंतु जिला अस्पताल ने इस दिशा में कोई उचित कार्रवाई नही की, इसमें अस्पताल प्रबंधन का क्या कसूर है?

5 वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का होगा आयोजन

माही की गूंज, मेघनगर/रंभापुर।

पत्रकार संघ रंभापुर व ग्राम मित्र मंडल के तत्वाधान में बड़ा राम मंदिर परिसर रम्भापुर में 16 जनवरी को रात्रि 8:30 बजे 5 वां अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित होगा। आयोजन में विशेष रूप से उदयपुर (राज.) से हास्य-व्यंग व सब-रस कवि राव आजाद शत्रु, कोटा (राज.) से गीतकार व शायर कुंवर जावेद, अलीगढ़ (उ.प्र.) से साहित्य व श्रृंगार रस कवि एकता आर्य, मुंबई से हास्य कवि हिमांशु बवंडर, ओजस्वी कवि निसार रंभापुरी और इंदौर की मोनिका काननूगो एंकर के रूप में उपस्थित रहेगी। मुख्य आयोजक भूपेंद्र बरमंडलिया, पंकज राका, अध्यक्ष अभय जैन ने बताया कि, उक्त आयोजन कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए श्रोताओं को मास्क भी वितरित किए जाएंगे व शासन की गाइडलाइन का पालन किया जाएगा। कवि सम्मेलन का लाइव प्रसारण सोशल मीडिया पर किया जाएगा। आयोजन समिति में कंवलजीत नायक, हितेश खतेडिया, दशरथ कट्ठा, सुनील डाबी, बसंत सिंह खतेडिया, लुणासिंह धमावत, कमलेश दातला, राजमल पडियार, भारत सिंह सांखला, प्रवीण भाई, भुरू भाई, मुकेश कटारा, रविंद्र बरमंडलिया, दीपल जैन, नकुल नायक, विश्वास जोशी, शुभम बामन, कविन बामन, समीर खान, बृजेश हाड़ा, प्रहलाद नायक, केशव धमावत, नरेंद्र बोरा, योगेश नायक सहित आदि सदस्यगण है जो सभी के सहयोग के साथ आयोजन को सफल बनाने हेतु आयोजन की तैयारिया कर रहे है।

निष्काम सेवा, साधना व संघर्ष के 26 वर्ष पूर्ण

माही की गूंज, शुजालपुर।

स्वदेशी से स्वावलंबी व राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के साथ योग, आयुर्वेद अध्यात्म, स्वदेशी के माध्यम से राष्ट्र सेवा के अनवरत 26 वर्ष पूर्ण होने पर भारत स्वाभिमान पतंजलि के कार्यकर्ताओं ने अरनिया कला में कार्यक्रम किया जिसमें प्रातः योग शिविर के पश्चात हवन यज्ञ किया गया, मंच अतिथियों ने संगठन के बारे में बताया। 26 वर्ष पूर्व जिस संगठन ÷भारत स्वाभिमान÷ की स्थापना योग ऋषि स्वामी रामदेव व आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने की थी वह संगठन गंगा किनारे हरिद्वार से चलकर आज विश्व के साथ भारत के प्रत्येक गांव, गली, मोहल्ले व घर-घर तक पहुंच चुका है व राष्ट्र निर्माण में योग अध्यात्म आयुर्वेद के माध्यम से सेवा दे रहा है। समूचे विश्व में योग, आयुर्वेद व स्वदेशी का परचम लहरा कर मां भारती के यशोगाथा चहुं ओर प्रचारित करने वाली विश्व-स्तरीय संगठन पतंजलि योग पीठ के 26 वें स्थापना दिवस पर पतंजलि परिवार के सदस्यों के साथ ग्रामीण जन भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य रुप से भारत स्वाभिमान राज्य प्रभारी राजेंद्र आर्य, प्रांतीय कोषाध्यक्ष महेंद्र परमार, जिला प्रभारी संजय शर्मा, युवा भारत जिला प्रभारी रजनीश भमुरिया, पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी किशोर सिंह पटेल, जिले के मुख्य योग शिक्षक कन्हैयालाल पडियार, पूर्व विधायक डॉक्टर बाबूलाल वर्मा, आरोग्य केंद्र संचालक मुकेश चौधरी, योग शिक्षक मुकेश पटेल, पतंजलि किसान सेवा समिति जिला प्रभारी महेश अमृतिया, योग शिक्षक पुरुषोत्तम चंद्रवंशी, योग शिक्षक जीवन सिंह परमार, जिला कोषाध्यक्ष विष्णु प्रसाद चंद्रवंशी, गोविंद दांगी, मुकेश टेवा, चेतन पुष्पद सहित शाजापुर जिले की विभिन्न योग कक्षाओं से आए हुए योगी योद्धा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भारत स्वाभिमान के निर्माणाधीन प्रांतीय कार्यालय भोपाल हेतु शाजापुर जिले से सहयोग राशि 51 हजार रूपए स्थापना दिवस पर संग्रह हुई, जिसमें प्रांतीय कोषाध्यक्ष डॉक्टर महेंद्र परमार द्वारा 11 हजार, जिला प्रभारी संजय शर्मा द्वारा 11 हजार, पूर्व विधायक डॉक्टर बाबूलाल वर्मा द्वारा 5 हजार 100, आरोग्य केंद्र संचालक व पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश चौधरी द्वारा 5 हजार 100, मुख्य योगशिक्षक कन्हैयालाल पडियार द्वारा 2 हजार 100, युवा भारत जिला प्रभारी रजनीश भमुरिया द्वारा 2 हजार 100, योग समिति जिला प्रभारी किशोर सिंह पटेल द्वारा 2 हजार 100, जिला कोषाध्यक्ष विष्णु प्रसाद चंद्रवंशी द्वारा 2 हजार 100, जिला संवाद प्रभारी हेमराज भेंसानिया द्वारा 2 हजार 100, योग शिक्षक मुकेश पटेल द्वारा 2 हजार 100, शिक्षक संतोष जावरिया द्वारा 2 हजा 100, योग शिक्षक पुरुषोत्तम चंद्रवंशी द्वारा 2 हजार 100, धनपाल पटेल द्वारा 1 हजार 100, महाकाल योग कक्षा मोरटा केवडी खाटसुर द्वारा 1 हजार 100 रूपए की स्वीकृति प्रदान की गई।

मानस राठौर समाज के जिलाध्यक्ष मनोनीत

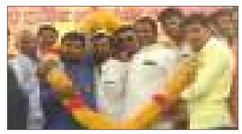

माही की गूंज, शुजालपुर। शुजालपुर प्रांतीय सभा राठौर समाज अध्यक्ष शम्भूदयाल राठोर, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र भदोरिया, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज बोडाना, प्रदेश सयोजक मनोज राठौर, प्रदेश कार्यालय मंत्री संजय राठोर की अनुशंसा पर प्रदेश स्तरीय बैठक में सर्व सहमती से जिला शाजापुर राठौर समाज के जिलाध्यक्ष पद के लिए शुजालपुर के मानस पिता नारायण प्रसाद राठौर को मनोनीत किया गया।

राठौर समाज में मानस राठौर का समाज सेवा व संगठन के प्रति योगदान रहा है और वर्तमान में शुजालपुर मंडी के राठोर समाज के अध्यक्ष है इसी के चलते उन्हें जिले की कमांड भी सोपी गई है।

मानस राठौर के राठौर समाज के जिलाध्यक्ष बनने पर सदस्यों सहित शादीलाल राठौर, जुगलकिशोर राठौर, शिवप्रसाद राठौर, डॉ प्रह्लाद, दिनेश, रवि राठौर, धर्मेन्द्र राठौर, पुष्पेन्द्र राठौर, राहुल राठौर, नारायण प्रसाद, देवकरण राठौर व स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जन सुनवाई में सुनी आवेदकों की समस्याएं

माही की गूंज, अलीराजपुर। जन सुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती संस्कृति जैन ने आवेदको की समस्याएं एवं शिकायतों संबंधित आवेदन प्राप्त करते हुए आवेदको की समस्याएं सुनी। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई संबंधित दिशा निर्देश भी दिए। प्राप्त आवेदनों में करंट लगने से मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता, निजी भूमि पर बगैर अनुमति सडक निर्माण रोकने, शासकीय भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण को हटाने, वृद्धावस्था पेंशन की मांग, आवास निर्माण की स्वीकृति, आम्बुआ-जोबट तिराहे मार्ग पर आए दिन होने वाली सडक दुर्घटनाओं के मद्देनजर स्पीड ब्रेकर निर्माण, आमखूंट बस स्टेंड पर अतिक्रमण हटाने के आवेदन प्राप्त हुए। सुनवाई में अपर कलेक्टर सुरेशचन्द्र वर्मा सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख उपस्थित थे।

आज मनाया जाएगा अन्न उत्सव

माही की गूंज, अलीराजपुर। उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से वितरित होने वाली खाद्यान्न सामग्री की वितरण व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से सम्पादित किए जाने हेतु आज अन्न उत्सव का आयोजन जिलेभर की शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर आयोजित होगा। पर्याप्त मानिटरिंग के साथ प्रत्येक पात्र हितग्राही को खाद्यान्न वितरण व्यवस्था सुनिचित कराए जाने के उद्देय से जिलेभर में उक्त आयोजन प्रतिमाह आयोजित होगा, प्रत्येक माह जिले की प्रत्येक शासकीय उचित मूल्य दुकान पर निर्धारित तिथि को अन्न उत्सव मनाया जाएगा, साथ ही उचित मूल्य की दुकान पूर्व के निदेर्शों के अनुसार निर्धारित दिनों में खुलेंगी और रान कार्डधारियों को पूर्व निर्धारित दिवस में राशन सामग्री प्राप्त करने की पात्रता होगी। एक से अधिक दुकान संचालित करने वाले विक्रेताओं के यहां बाद के अन्य दिवसों में अन्न उत्सव मनाया जाएगा। अन्न उत्सव के तहत नियुक्त नोडल अधिकारी सुबह 9 बजे बायोमेट्रीक उपस्थिती संबंधित दुकान पर दर्ज कराते हुए आयोजन प्रारंभ कराएंगे। उक्त आयोजन निर्धारित समय से दोपहर 4 बजे तक आयोजित होगा। अन्न उत्सव हेतु नोडल अधिकारियों की दुकानवार ड्यूटी लगाई गई है, साथ ही अन्न उत्सव के तहत वितरण होने वाले खाद्यान्न की मॉनिटरिंग हेतु निगरानी समिति के अध्यक्ष, सदस्यों एवं नोडल अधिकारी द्वारा सामग्री का प्रमाणीकरण स्टॉक रजिस्टर में किया जाएगा। अन्न उत्सव के दौरान जनप्रतिनिधि, अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित होकर सहभागिता करेंगे, उक्त आयोजन के तहत संबंधित एसडीएम अपने अनुभाग के नोडल अधिकारी रहेंगे।

चचेरे भाई-बहन ने फांसी लगाकर दी जान

माही की गूंज, रतलाम। जिले के बाजना थाना क्षेत्र के ग्राम करबलखोरा के कराड़ जंगल में सागवान के पेड़ पर 16 वर्षीय किशोरी और उसका 19 वर्षीय चचेरा भाई दोनो के शव फांसी के फंदे पर लटके हुए मिले, पेड़ के पास नीचे जहर की शीशी भी पड़ी होना पाई गई। बताया जा रहा है कि, वो एक-दूसरे से प्रेम करते थे और शादी करना चाहते थे।

मिली जानकारी अनुसार ग्राम करबलखोरा के पास स्थित कराड़ के जंगल में सागवान के पेड़ पर ग्रामीणों ने युवक व किशोरी को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा। इसकी खबर मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। इसी बीच पुलिस को भी सूचना दी गई। पुलिस ने मोके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की, जांच के बाद दोनों के शव को फांसी से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में पता चला कि, किशोरी और उसके काका का लड़का दोनों आपस में प्रेम करते थे और शादी करना चाहते थे। परिवार के लोगों ने उन्हें समझाया कि, ऐसा नहीं हो सकता इसलिए उन्होंने जान देने का कदम उठाने की ठानी, दोनों 3 जनवरी को घर से किसी को कुछ बताए बिना निकल गए, उनके लापता होने पर परिवार के लोग उनकी तलाश कर रहे थे, 4 जनवरी दोपहर दोनों के शव पेड़ पर लटके हुए पाए गए। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिए है और मामले की जांच की जा रही है।

जैन सामायिक के फेस्टिवल का हुआ आयोजन

माही की गूंज, बामनिया। जैन अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में सकल जैन समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से जैन सामायिक फेस्टिवल, उत्सव विश्व मैत्री भावना से जैन एकता के महाउत्सव का आयोजन 3 जनवरी को हुआ, जिसमे देश सहित विदेश के भी जैनी एक समय एक साथ एक सामायिक एक संदेश के नारे के साथ एक्रत्रित होकर अपनी-अपनी विधि से सामायिक व महामंत्र नवकार का जाप किया गया। इस सामयिक फेस्टिवल के अवसर पर नगर में भी श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा बामनिया के तत्वावधान में जैन सामयिक महा फेस्टिवल का आयोजन रखा गया जिसमें मांगलिक भवन पर नवकारसी एवं सामयिक का आयोजन किया गया, इस आयोजन में नगर के सकल जैन समाज के जैनियों ने भाग लेकर 126 सामायिक करते हुए आयोजन को भव्यता के साथ सफलता प्रधान की, इस आयोजन को सफल बनाने के लिए श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष महेंद्र मेहता एवं महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती मनोरमा कमलेश बम का पूरा योगदान रहा।

वागरेचा, श्री सोनाणा खेतला भेरूजी ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोनीत

माही की गूंज, बामनिया।

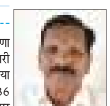

श्री सांचल सोनाणा तीर्थ धाम पर श्री सोनाणा खेतलाजी के भक्तराज राजेंद्र शांतिलाल भंडारी (वाई) के निर्देशन में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्री सोनाणा खेतला भेरूजी ट्रस्ट (36 कोम सेवार्थ) का गठन किया गया। अध्यक्ष पद पर कांतिलाल वागरेचा को मनोनीत किया गया, मुख्य परामर्शदाता बामनिया के वरिष्ठ भंवरलाल बाफना, संरक्षक विवेक लुणावत (बामनिया), उपाध्यक्ष सुभाष तांतेड़ (शिवगढ़), कोषाध्यक्ष अर्पित लुणावत (थांदला), सचिव पंकज जैन (रतलाम), सहसचिव प्रवीण मेलिवार (बामनिया), विशिष्ट अतिथि जिनेंद्र बाफना (मेघनगर) और मीडिया प्रभारी मयंक बाफना बनाए गए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष कांतिलाल वागरेचा ने कहा कि, उनके कार्यकाल को सफल बनाने के लिए सभी के साथ की जरूरत है, वे अध्यक्ष नहीं बल्कि सेवक बनकर कार्य करेंगे। ट्रस्टियों में बामनिया से पंकज मेहता, नीलेश कुमावत, राघव गर्ग, रंजन तांतेड़ (शिवगढ़), दीपक तांतेड़ (शिवगढ़) को लिया गया।

किसानों के समर्थन मे कांग्रेस का धरना आज से

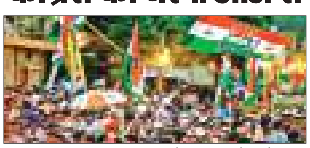

माही की गूंज, आलीराजपुर।

केंद्र सरकार की जनविरोधी एवं किसान विरोधी नितियो के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला एवं ब्लाक मुख्यालय पर किसानो के समर्थन मे दिनांक आज से 15 जनवरी तक धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। जिसमे कांग्रेस के जनप्रतिनिधी, पदाधिकारी, नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित होकर केंद्र सरकार की किसान विरोधी नितियो के खिलाफ आंदोलन मे शामील होगे।

सरकार कानूनों को वापस लेने को तैयार नहीं

उक्त जानकारी देते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल एवं कार्यवाहक अध्यक्ष ओमप्रकाश राठौर ने बताया कि, देश में किसानों का आंदोलन जोर पकड़ता जा रहा है, मध्यप्रदेश में भी किसान विभिन्न जिलों में देशव्यापी चल रहे किसान आंदोलन का समर्थन कर रहे है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कार्यकर्ता विभिन्न स्थानों पर समय-समय पर धरना-आंदोलन, विरोध-प्रदर्शन करते रहे है। यह दुःखद है कि, पूरे देश के किसानों के आंदोलन एवं आक्रोश के बावजूद केन्द्र की भाजपा सरकार किसान विरोधी तीनों काले कानूनों को वापिस लेने के लिए तैयार नहीं हो रही है। इसी कडी मे आज से 15 जनवरी तक जिले के ब्लाक स्तर पर किसान आंदोलन के समर्थन में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

नाली के अभाव में रोड पर बह रहा गंदा पानी, पंचायत बनी मुकदर्शक

माही की गूंज, बनी। ऋषभ गुप्ता

देश के प्रधानमंत्री पूरे देश को स्वच्छ और सुंदर बनाने का सपना संजोए बैठे हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की पंचायतों द्वारा प्रधानमंत्री के सपनों पर पानी फेरते हुए स्पष्ट दिखाई दे रहा है। ग्राम पंचायत बनी में घुसने से पहले ही मालवी भाषा की कहावत ''गांव की गत गोयरे नजर आवे'' को चरितार्थ कर रही है। पूरे गांव में घरों का गंदा व नल से बहने वाला पानी रोड पर बहता है, मुख्य मार्ग पर बसे इस गांव के यह हाल है कि, बनी गांव में प्रवेश करने से पहले ही नाली के अभाव में रोड पर पानी भरा हुआ दिखता है, वहीं मुख्य बस स्टैंड पर तो यह आलम है कि, यहां हमेशा गंदा पानी भरा रहता है और पूरे बस स्टैंड पर गंदगी से भरा कीचड़ जमा रहता है। नयापुरा मोहल्ले में जाने से पहले भी लोगों के घरों का पानी मुख्य मार्ग पर से होकर गुजरता है जिससे मोहल्ले वालों और आम नागरिकों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, जिसकी वजह से कई राहगीर दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं। गांव की स्थिति भी बड़ी दयनीय हालत में है गांव में जब नल में पानी सप्लाई होता है तब पानी रोड पर बहता है, इसकी मुख्य वजह है नालियों का चोक होना, ग्राम पंचायत यह सब देखकर भी मूकदर्शक बनी रहती है। जबकि पंचायत की स्वच्छता के लिए शासन के द्वारा उचित बजट के माध्यम से राशि आवंटित करवाई जाती है उसके बाद भी पंचायत द्वारा कोई उचित कदम नहीं उठाया जा रहा है और गांव के लोगों को इन सभी परेशानियों का सामना करने को मजबूर होना पड रहा है।

यात्री प्रतीक्षालय गायब, शौचालय गांव से बाहर

पंचायत ने पुरानी यात्री प्रतीक्षालय को तोड़कर उसे खंडहर कर दिया मगर आज तक उसका पुनर्निर्माण नहीं किया, जिसकी वजह से यात्रियों को यात्रा से पहले रोड पर खड़े रहना पड़ता है या फिर होटलों, दुकानों पर खड़े होकर गंतव्य पर जाने के लिए वाहन का इंतजार करना पड़ता है। बस स्टैंड पर वर्षों से शौचालय बनाने की मांग ग्रामीणों द्वारा की जा रही है, नगर पंचायत द्वारा पुराने यात्री प्रतीक्षालय को तोड़ शौचालय और यात्री प्रतीक्षालय बनाने का कह कर शौचालय गांव के बाहर पशु चिकित्सालय के पीछे बनाया गया जिसका कोई भी यात्री फायदा नहीं उठा पाता है।

बर्ड फ्लू वायरस से सावधानी रखने संबंधित एडवाइजरी की जारी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

उप संचालक पशु पालन विभाग डॉ. एमएल परमार ने बताया कि, प्रदेश के इंदौर एवं अन्य जिलों में कौवों की मौत एवियन इन्फ्लुएंजा (बर्ड फ्लु) से होने की पुष्टि होने से जिले में भी सावधानी बरतने की अपील पशु पालन विभाग द्वारा की गई है। डॉ. परमार ने बताया, ये बीमारी एक पक्षी से दूसरे पक्षी में दूषित पानी से अथवा संक्रमित पक्षी के मल-मूत्र पंखों आदि के जरिए पुरे झुंड को तेजी से प्रभावित करती है। पशु पालक इस बीमारी की रोकथाम के लिए पक्षियों को बाडे में बंद रखें, अनावश्यक लोगों को पक्षियों के बाडे में प्रवेश नही करने दें। पक्षियों के बाडे में साफ सफाई रखें और पक्षियों का भोजन और पानी रोजना बदलें। नए पक्षी को कम से कम 30 दिन का होने तक स्वस्थ पक्षियों से दूर रखें। पक्षियों पर नजर रखें यदि पक्षी मर रहे हैं, आंखों, गर्दन और सिर के आस-पास सूजन है, खुन का रिसाव हो रहा है, पंखों, कलगी और टांगो का रंग बदल रहा है व पक्षी अण्डे कम देने लगे हैं तो यह सब खतरे के संकेत हैं। पक्षियों में अचानक कमजोरी, पंख कम होने या हरकत कम होने पर नजर रखें, पक्षियों में असामान्य बीमारी अथवा मौत की सूचना तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय को दें।

संदिग्ध अवस्था में ट्रेन से गिरने से जुज़र अली बोहरा का निधन

माही की गूंज, मेघनगर।

मेघनगर में दाहोद निवासी कृषि दवाई विक्रेता, नजमी कृषि सेवा केंद्र के संचालक जुज़र अली बोहरा का बुधवार सुबह निधन हो गया। खाद, बीज व दवाई के विक्रेता जुज़र अली रोज की तरह दाहोद से मेघनगर व्यवसाय के लिए ट्रेन से आना-जाना करते थे, बोहरा नगर के नामी विक्रेताओ में से एक थे। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार जुज़र अली बोहरा का शव दाहोद-मेघनगर के बीच अनास नदी के पास पड़ा मिला, सम्भवत जुज़र अली अवध एक्सप्रेस में दाहोद से मेघनगर आ रहे थे और अनास नदी के पास ट्रेन से गिर गए। फिलहाल जीआरपी पुलिस इस मामले की जांच कर रही है, जुज़र अली के शव को पीएम के लिए मेघनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। फिलहाल जुज़र अली बोहरा की मौत किस वजह से हुई यह संदिग्ध होकर पुलिस के लिए जांच का विषय है।

स्थानांतरण होने के बाद रिलीव नहीं हो रहे प्राचार्य, भाजपा सरकार की मंशा पर खड़े हो रहे सवाल

स्थानांतरण हुए प्राचार्यो को चढ़ा बुखार, मेडिकल पर उतरे, आदेश निरस्त करवाने की जुगाड़ में लगे प्राचार्य

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

गत दिनों जिले के 7 प्राचार्य का स्थानांतरण हुआ था, जिसमे से अधिकांश पेटलावद विकास खण्ड है जो किसी ना किसी कारण चर्चाओं में थे। लम्बे समय से एक जगह जमे होने के कारण स्थानीय नेताओं और विभाग के अधिकारियों से सेटिंग बिठाकर हर कार्य के बदले अधिनस्त कर्मचारियों से मोटी रकम वसूली और शासकीय राशि के दुरुपयोग जैसे आरोपो से घिरे हुए थे। स्थान्तरण के आदेश जारी होने के बाद आमजन में भाजपा के इस कदम की सराहना की जा रही थी, लेकिन स्थान्तरण के आदेश जारी होने के बाद भी अभी तक प्राचार्यो को कार्यमुक्त नही किया गया है, जिसके पीछे स्थान्तरण निरस्त करवाने की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया जिससे भाजपा की मंशा पर भी सवाल खड़े होने लग गए है कि, आखिर क्यों मंत्रालय से जारी आदेश के बाद भी प्राचार्यो की कार्यमुक्ति नही हो सकी है।

केवल दो हुए कार्यमुक्त, मेडिकल पर उतरे

जिन प्राचार्यो का स्थानांतरण हो चुका है, उनमें से अधिकांश प्राचार्य अभी कार्यमुक्त नही हुए है, मिली जानकारी के अनुसार दो प्राचार्य कार्यमुक्त होने के बाद भी स्थान्तरित किए गए, स्थान पर जॉइन नही हुए और पूरा कोरोना संकट निकालने के बाद अचानक बीमार होकर मेडिकल पर उतर कर स्थान्तरण रुकने की जुगाड़ में लग गए है, स्थान्तरित प्राचार्यो द्वारा प्रस्तुत मेडिकल सर्टिफिकेट की जांच भी होनी चाहिए जिनके आधार ये मेडिकल पर उतरे है और अन्यत्र ज्वाइनिंग से बचकर अपना स्थानांतरण रुकवाने की तिकड़म लगा रहे हैं जो जिले से लेकर भोपाल तक दौड़ लगा रहे हैं, जो शासन की मंशा पर पानी फेर रहे हैं। शासन को चाहिए की फर्जी रूप से बीमार इन अधिकारीयो को जिन डॉक्टर ने उक्त लोगों को बीमार बताया उनका पता लगाकर, साथ ही जिन्होंने बीमार होने का नाटक किया उन्हें भी जिला स्तर की मेडिकल टीम के द्वारा जांच करवाई जाए ताकि अपने-आपको बीमार बताने वाले और सर्टिफिकेट की सत्यता का पता लग सके।

विवादित प्रचार्य लगा सेटिंग जमाकर बीईओ पद हथियाने

विकास खण्ड के अधिकांश विवादित प्राचार्यो का स्थानांतरण फ़िलहाल कागज पर हो चुका है, लेकिन सबसे विवादित प्राचार्य अभी भी जमा हुआ है आखिर उसकी वकालात कौन कर रहा है? उसके सर पर किसका हाथ है? और इस विवादित प्राचार्य की सेटिंग इतनी तगड़ी है की सेटिंग बाज नेता इसे उपकृत कर बीईओ जैसे पद से नवाजने की कौशश तक मे लगा हुआ है।

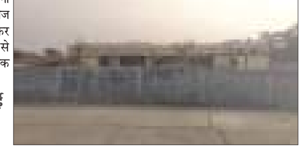

विभाग की मलाई हर कोई लगा चाटने में

15 माह की कांग्रेस सरकार में हुए ट्रांसफर पर भाजपा द्वारा कांग्रेस पर ट्रांसफर उधोग का आरोप लगाने वाली भाजपा अब खुद भी घिरती नजर आ रही है, शिक्षा विभाग और ट्राइबल विभाग की मलाई चाटने में हर कोई लगा हुआ है, पूरे विभाग में दलाली का खेल चल रहा है, कही नोकरी, तो कही मटेरियल सप्लाई तो कही निर्माण कार्यो को लेकर सेटिंग की जा रही है और विभाग में ट्रांसफर नाम की मलाई को कटोरा मिल गया, जिसको ट्रांसफर करवाने और रुकवाने के लिए हर कोई मलाई चाटने में लगा है।

नहर उफान पर, खेतों में भरा पानी

माही की गूंज, पेटलावद/बनी।

कोरोना संक्रमण और प्रकृति की मार झेलते हुए देश का किसान आर्थिक संकट झेलने को मजबूर है। गांव बनी स्थित तालाब की नहर का पानी नहरों में ऊपर तक आने से किसानों के खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान हो रहा है। बनी स्थित तालाब की नहर के संचालन का कार्य अध्यक्ष या विभाग का है, देखरेख और मेंटेनेंस के अभाव के कारण नहरों का पानी ओवर फ्लो होकर किसानों के खेत मे खड़ी फसलों में भर रहा है जिससे खड़ी फसल बर्बाद हो रही है। किसान पप्पू पिता बगदीराम पाटीदार और अनोखीलाल पाटीदार ने बताया कि, नहर के ओवर फ्लो के पानी के कारण हमारे और आस-पास के किसानों के खेतों में पानी भरा हुआ होने से गेहूं की फसल को नुकसान हो रहा है। पप्पू पाटीदार के खाली पड़े खेत तरबूज के लिए हकाई-जुताई करके फसल लगाने के लिए तैयार करना था मगर तालाब की नहर का पानी उस खेत में भी भरा हाने से फसल बोने में काफी समय का इंतजार करना पड़ेगा।

नहर संचालन किसके हाथ मे विभाग या अध्यक्ष ? गर्मी में होगी पानी की समस्या

नहर से लाभान्वित किसानो को यह बात समझ नहीं आ रही कि, नहर चलाने का कार्य किस विभाग या अध्यक्ष द्वारा करवाया जा रहा है। वही तालाब का पानी नहरों के माध्यम से इसी प्रकार व्यर्थ बहता रहा तो, आने वाले समय में गांव में भी पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि जिस कुप से पंचायत द्वारा गांव में नल का पानी सप्लाई किया जाता है उस कुप से 100 मीटर दूरी पर ही तालाब स्थित है, अगर तालाब का पानी इसी प्रकार बर्बाद किया जाएगा तो गर्मी में जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

हायर सेकेंडरी स्कूल की लाखों की बाउंड्री वाल प्रिन्सिपल और ठेकेदार की मनमानी की भेंट चढ़ गई

नयागांव के बाशिन्दे पीने के पानी के लिए परेशान

माही की गूंज, धार/सरदारपुर

धार जिले के सरदारपुर तहसील के ग्राम लेडगाँव की हायर सेकेंडरी स्कूल की लाखों की बाउंड्री वाल प्रिन्सिपल ओर ठेकेदार की मनमानी की भेंट चढ़ गई है। ज्ञात हो कि, विधायक निधि से लगभग आठ लाख से अधिक की बाउंड्री वॉल का निर्माण लेडगाँव के हाई सेकेंडरी स्कूल के चारों तरफहोना था, जो ठेकेदार और स्कूल प्रिंसिपल के जिद्दी रवैया के चलते बेतरतीब और अव्यवस्थित बना दी गई है। वास्तविक में स्कूल के गेट के सामने एक गेट बनना था, जो पीछे की ओर बना दिया गया है। वहीं स्कूल बाउंड्री के अंतर्गत एक पानी के हैंडपंप तक जाने का एक रास्ता था, जिससे पास के नयापुरा के ग्रामीण के लोग जिनका एकमात्र साधन इस हैंडपंप से पीने का पानी भरना था, उसे भी बंद कर दिया, जिससे ग्रामीण लोगो के पास अब पानी भरने का कोई चारा नहीं रहा और वे परेशान भी हो रहे हैं, साथ ही अपनी जिद्दी और अड़ियल रवइए के चलते प्रिंसिपल और ठेकेदार ने प्रस्तावित नक्शे से हटकर काम करवा लिया है, वही उक्त निर्माण की बात की जाए तो इसमें भ्रष्टाचार की भी बु आती है, जो जांच का विषय है। अपने अधीनस्थ बड़े पदाधिकारी के नाक के नीचे इस प्रकार का कार्य होना शंका भी पैदा करता है। इस ओर ध्यान देना आवश्यक हो जाता है।

पटवारी की मनमानी से परेशान बेवा, महिला को अभी तक नहीं मिला दीवार गिरने का मुआवजा

माही की गूंज, भामल।

गरीब व निराशित लोगो की त्वरीत सहायता करने की सरकार की योजनाएं है, लेकिन सरकार कितनी भी हितकारी योजनाएं लागु कर दे परंतु सरकार के नुमाइंदे इसे धरातल पर नही लाकर अपनी मनमानी के साथ योजनाओं का गला घोंट रहे है नतिजन अधिकारीयो की मनमानी व अनदेखी के कारण गरीब व निराशितो को प्राकृतिक आपदाओं में भी लाभ नही मिल पा रहा है।

कुछ ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत भामल का कमलाबाई सोलंकी निराशित, बेवा व वृद्ध महिला है जिसका कवेलू वाला मकान बारिश के मौसम में तेज हवा व बारिश के कारण मकान की एक दिवार धराशाई हो गई थी, जिसका पंचनामा भी पटवारी द्वारा बनाया गया था व बेवा महिला को कहा गया था कि, उसे प्राकृतिक आपदा के तहत दिवार गिरने का त्वरीत लाभ मिल जाएगा, परंतु भामल हल्का न. 62 के पटवारी चेनालाल भायल ने अपनी मनमानी के साथ कार्य कर निराशित व बेवा महिला को प्राकृतिक आपदा का मिलने वाला त्वरीत लाभ अभी तक नही मिला। बेवा महिला पिछ्ले 5 से 6 माह से पंचायत व पटवारी से कई बार रूबरू जाकर व फोन से चर्चा करने के बाद भी मुआवजा नही दिया गया हर पटवारी चेनालाल भायल द्वारा आश्वासन ही दिया जाता है, मुआवजा नही मिलने के कारण बेवा महिला बारिश व ठण्ड में भी मकान की टुटी हुई दिवार के मकान में रहने को मजबुर है। अगर योजनाओं का क्रियानवन इसी तरह से धरातल पर होता है तो, एसी योजनाओं को बंद ही कर देना चाहीए ताकी कोई गरीब व निराशित सरकार की मिलने वाली योजनाओं के लाभ की आस में ऐसे भ्रष्ट व मनमाने तरीके से कार्य करने वाले अधिकारीयों के चक्कर नही काटना पड़े।

दिन दहाड़े गल्ले से उड़ाए तीस हजार, वारदात सीसीटीवी में कैद

चेन स्नेचिंग की घटना के बाद हुई वारदात से बडी दहशत

माही की गूंज, पेटलावद।

अपना कलेक्शन जरनल स्टोर पर दुकान मालिक रतनलाल पिता मोती गेहलोत शाम को अपनी दुकान पर बैठे कि, दुकान पर दो शख्स टोपी लेने के लिए आए जिसमें से एक शख्स काउंटर के बहार खड़े रहकर बीड़ी पीने में व्यस्त रहा, एक शख्स जिसने चश्मा पहन रखा था एक टोपी खरीद कर दुकानदार रतनलाल को 50 रुपए की टोपी के लिए 500 रुपए का नोट दिया, दुकानदार ने टोपी को किमत 50 रुपए काटे व 450 रुपए वापस कर दिए, लेकिन एक नोट को बदलने के बहाने टोपी खरीदने वाला शख्स दुकानदार की आंखों के सामने दुकान के गल्ले तक पहुंच गया ओर बातों ही बातों में गल्ले में रखे नोट उड़ा लिए। सीसीटीवी वीडियो को देखने पर पता लगा कि, ग्राहक के रूप में आए शख्स ने दुकानदार की पीठ पर कुछ लगाया और उसे तुरंत जेब मे रख लिया। दुकानदार रतनलाल ने बताया कि, कुछ देर बाद जब गल्ले के पैसे मिला रहा था तो गल्ले में रखे तीस हजार रूपए गायब थे। शक होने पर सीसीटीवी की जांच की तो, टोपी लेने आए लोगो की हरकत को देखकर साफलगता है कि, गल्ले से पैसे उड़ाने वाले यही दोनों अज्ञात लोग ही है। रतनलाल गेहलोत ने मामले की लिखित शिकायत पेटलावद थाने पर की है और सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस को उपलब्ध करवाए है। टोपी लेने के बहाने टोपी पहनाने वाले दोनों अज्ञात लोगों के साफ फ़ोटो कैमरे में कैद हो गए है, अब देखना है कि पुलिस मामले में खुलासा कर पाती है या नही। लगातार हो रही इस प्रकार की वारदातों से नगर में एक बार फिर दहशत का माहौल बन गया है क्योंकि इससे पहले भी इस प्रकार की लूट और चोरी की वारदात हो चुकी है जिसके खुलासे आज तक नही हो सके है।

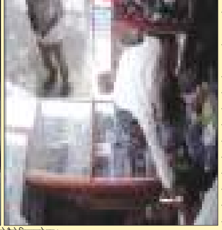

शातीर चोर गल्ले में से पैसे निकालते हुए।

पहले भी हो चुकी है चेन स्नेचिंग की वारदात

शनिवार को नगर में दिन दहाड़े, भरी दोपहर में नगर के सिर्वी मोहल्ले में बुजुर्ग महिला के साथ बिना नम्बर वाले दुपहिया वाहन पर बैठे दो अज्ञात बदमाशों द्वारा चेन स्नेचिंग की घटना को अंजाम देकर फरार हुए अज्ञात वाहन सवार चोर अभी तक पुलिस के हत्थे चढ़े भी नही थे कि, नगर के बीच चौराहे पर एक और घटना से नगर में अज्ञात लुटरों से डर बैठ गया है।

सावधान और सतर्क रहने की आवश्यकता

नगर में इस प्रकार की घटनाएं लगातार होती जा रही है कहीं बैंक के बाहर बदमाश घात लगाए बैठे तो, कहीं ज्वेलरी की दुकानों पर ग्राहक बनकर वारदात को अंजाम दे चुके है। चाबी बनाने के नाम पर तो, कभी घर मे रखा सोना चमकाने के नाम पर बदमाशों द्वारा लोगो को भर्मित कर लूट की जा रही है। दूसरी और सोशल मीडिया के माध्यम से भी बदमाश लोगो को निशाना बना रहे है, साफहै लुटेरों को पकड़े जाने या पुलिस का कोई डर नही है। कही न कही बदमाशों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए सावधान ओर सतर्क रहना जरूरी है और अंजान व अजनबी लोगो पर किसी प्रकार से भरोसा करने से पहले आस-पास के लोगो से संपर्क कर लेना चाहिए और किसी भी प्रकार का शक होने पर तुरंत पुलिस को सूचना देकर इस प्रकार की वारदात से कुछ हद तक बचा जा सकता है।

पोलाय कला चौकी प्रभारी की उदासीनता से चोरों के हौसले बुलंद

पुलिस की उदासीन कार्यप्रणाली को लेकर युवाओं ने दिया धरना

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

चोरी हुए माल को बरामद करने हेतु नगर के युवाओं ने कुछ समय पहले पुलिस थाना पहुंच कर अल्टीमेटम दिया था, 11 दिन बाद तक कार्रवाई नहीं होने से नाराज नगर के वरिष्ठ जनों व युवाओं ने पहुंचकर पुलिस चौकी पोलाय कला का घेराव कर धरना दिया।

धरने में वरिष्ठ जनों ने पुलिस प्रशासन को खूब खरी-खोटी सुनाकर युवाओं को संबोधित किया। बढ़ती संख्या देखकर पुलिस विभाग द्वारा पुलिस थाना सुंदरसी, अकोदिया, अवंतिपुर बड़ोदिया इत्यादि स्थानों से पुलिस बल बुलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि, यह प्रतीकात्मक रूप से बहुत छोटा रूप है यदि चोरियों का पर्दाफाश नहीं हुआ तो नगर के हर घर से प्रत्येक व्यक्ति को साथ लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। एसडीओपी तोमर ने आकर मोर्चा संभाला व 8 से 10 दिन में माल बरामद करने का वादा करते हुए 10 दिन का अतिरिक्त समय मांगा। इस पर नगर के युवाओं ने कहा कि, यह अंतिम बार पुलिस विभाग को समय दिया जा रहा है इसके बाद नगर बंद का आह्वान कर चक्का जाम किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422